वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 156 | सोमवार 30 सितम्बर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

'मन की बात' कार्यक्रम का 114वां संस्करण

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को स्वच्छता, जन भागीदारी और वोकल फॉर लोकल का दिया संदेश

एक पेड़ मां के नाम अभियान में राजस्थान की उपलब्धियों की सराहना की

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम के 114वें संस्करण में देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी जयपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास पर आमजन के साथ प्रधानमंत्री के सम्बोधन को सुना। अपने सम्बोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम के 3 अक्टूबर को 10 साल पूरे होने जा रहे हैं। इन 10 वर्षों में देश वासियों ने अपना प्यार और आशीर्वाद संदेशों के माध्यम से लगातार उन्हें भेजा है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के श्रोता ही इसके असली सूत्रधार हैं, जो देश की उपलब्धियों को गर्व से सुनते हैं।

प्रधानमंत्री ने की राजस्थान की सराहना

मोदी ने एक पेड़ मां के नाम अभियान का जिक्र करते हुए कहा कि दृढ़ संकल्प के साथ जब सामूहिक भागीदारी का संगम होता है तो पूरे समाज के लिए अदभुत नतीजे सामने आते हैं। उन्होंने अभियान के तहत राजस्थान की उपलब्धियों की सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि अगस्त माह में ही 6 करोड़ से अधिक पौधे लगाकर राजस्थान ने जन भागीदारी का अनूठा उदाहरण पेश किया है। प्रधानमंत्री ने जलसंरक्षण का महत्व बताते हुए कहा कि छोटे-छोटे प्रयासों से जलसंकट से निपटने में बहुत मदद मिलती है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के झांसी, मध्य प्रदेश के रायपुरा एवं छतरपुर गांव का जिक्र किया जहां महिलाओं ने सामूहिक प्रयासों से वहां के तालाबों और नदियों को नया जीवन दिया। मोदी ने कहा कि 2 अक्टूबर को स्वच्छ भारत अभियान के भी 10 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह अवसर उन लोगों के अभिनंदन का है जिन्होंने इसे भारतीय इतिहास का इतना बड़ा जन-आंदोलन बना दिया। ये महात्मा गांधी जी को भी सच्ची श्रद्धांजलि है, जो जीवनपर्यंत, इस उद्देश्य के लिए समर्पित रहे। प्रधानमंत्री ने कहा कि मेक इन इंडिया अभियान के इस महीने 10 साल पूरे हुए हैं। इस अभियान से गरीब, मध्यम वर्ग और लघु एवं सूक्ष्म उद्योगों को बहुत फायदा मिल रहा है। मोदी ने स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने पर जोर देते हुए देशवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे आगामी त्योहारों के सीजन में तथा आम जीवन में भी स्थानीय उत्पाद ही खरीदें। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब हम हमारी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करते है, तो दुनिया भी उसे सम्मान देती है। उन्होंने कहा कि उनकी अमेरिका यात्रा के दौरान अमेरिकी सरकार ने भारत को करीब 300 प्राचीन कलाकृतियों को वापस लौटाया है। जिनमें हजारों साल पुरानी, हाथी के दांत, लकड़ी, तांबा और कांसे जैसी चीजों से बनी कलाकृतियां शामिल हैं। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में मातृ-भाषा को सहेजने, पारंपरिक जड़ी-बूटियों की उपयोगिता और रचनात्मकता पर भी बात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने स्वच्छ भारत, मेक इन इंडिया, एवं एक पेड़ मां के नाम जैसे अभियानों के माध्यम से देशवासियों को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने का संदेश दिया है। शर्मा ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी अपने सकारात्मक एवं प्रेरणादायक विचारों से देशवासियों को सदैव प्रेरित करते हैं। इस दौरान जयपुर ग्रेटर नगर निगम के उपमहापौर पुनीत कर्णावट सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं आमजन उपस्थित रहे।

॥ देवाधिदेव श्री 1008 आदिनाथाय नमः॥

अर्हं योग प्रणेता

मुनिश्री 108 प्रणम्य सागर जी महाराज ससंघ

के पावन सान्निध्य में जयपुर शहर में पहली बार

श्री दिगम्बर जैन नसियाँ भट्टारक जी नसियाँ प्रांगण में

दोनो दिन प्रात: 6.15 बजे से 9.45 बजे तक

दिनांक 3 अक्टूबर, 2024

भगवान मुनिसुव्रतनाथ विधान

दिनांक 4 अक्टूबर, 2024

वर्धमान स्त्रोत विधान

प्रतिदिन - प्रात: 8.15 बजे से गुरुदेव का मंगल प्रवचन

विशेष... विधान में बैठने वाले महानुभावों शुद्ध भोजन की व्यवस्था रहेगी।

विधान में बैठने वाले महानुभावों की संख्या सीमित है।
अपना रजिस्ट्रेशन आज ही - अभी ही करवायें

संयोजक : रमेश बोहरा 98280 26629 • मनोज झांझरी 98290 63426
पदम बिलाला 93140-24888 • मनीष बैद 94140-16808

श्री मुनिसंघ सेवा समिति जयपुर

(बापू नगर जैन समाज द्वारा संचालित)

सुधान्शु कासलीवाल
परम संरक्षक

उमरावमल संधी
परम संरक्षक

ईजी.प्रदीप कुमार जैन
मुख्य समन्वयक

अध्यक्ष	कार्याध्यक्ष	महामंत्री	कोषाध्यक्ष
• राजीव जैन गाजियाबाद	• सुरेन्द्र कुमार मोदी	• नवीन संघी	• संजय पाटनी
94140-54571	86969 79825	93149-66771	93527 22022

एवं समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य श्री मुनिसंघ सेवा समिति, जयपुर

: मुख्य संयोजक :
अतुल सौगानी
98292 89000
आलोक जैन
94140 70741
बापू नगर

अर्हं चातुर्मास समिति, जयपुर-2024
प्रबन्धकारिणी समिति
श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर
मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर
सुशील पहाड़िया (अध्यक्ष) 99285-57000
राजेन्द्र सेठी (मंत्री) 93149-16778
समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यगण
एवं
आदिनाथ महिला मण्डल, मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर

॥ श्री चन्द्रप्रभुजिनेन्द्राय नमः॥

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चन्द्रप्रभुजी, कूकस (आमेर), जयपुर

वार्षिक मेला

शनिवार-रविवार, दिनांक 5 व 6 अक्टूबर, 2024

मांगलिक कार्यक्रम

कूकस चलो

परम पूज्य चर्या शिरोमणि आचार्य श्री 108 विशुद्धसागर जी महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य

शनिवार, दिनांक 5 अक्टूबर, 2024
प्रात: 8.15 बजे- वृहद् शान्तिधारा
प्रात: 9.15 बजे-चन्द्रप्रभु विधान पूजन
रात्रि 8.15 बजे- रात्रि भक्ति जागरण
श्री पूनमचन्द गोधा, श्री अशोक पाण्ड्या,
श्री सुनील पाण्ड्या, श्रीमती मीनू सौगानी
श्री आयुष पाण्ड्या, श्रीमती आरुषि जैन व
श्री वीर संगीत मण्डल के कलाकारों द्वारा प्रस्तुति

रविवार, दिनांक 6 अक्टूबर, 2024
प्रात: 8.15 बजे- वृहद् शान्तिधारा
प्रात: 9.15 बजे- चौबीस तीर्थंकर पूजन
दोपहर 3.00 बजे- मुनिश्री का प्रवचन
दोपहर 3.30 बजे- जिनेन्द्र कलशाभिषेक
सायं 4.30 बजे- सामूहिक गोठ

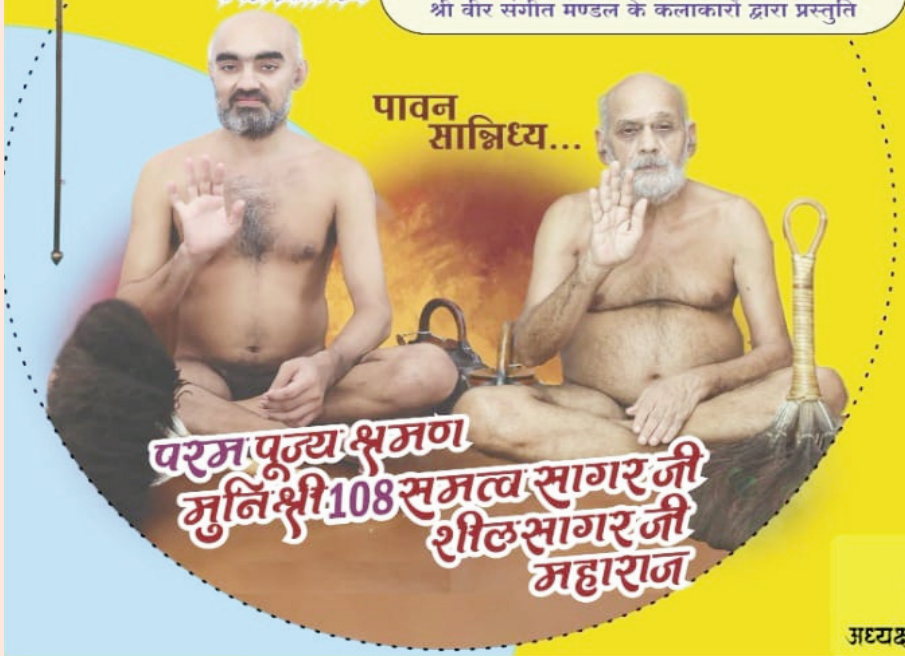

...मुख्य अतिथि ...
श्री मुधान्शु जी - ऋतु जी कासलीवाल
अध्यक्ष, दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीरजी

...अध्यक्षता ...
श्री मुधीर जी - इन्द्रा जी जैन, एडवोकेट
अध्यक्ष, दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र बाड़ा पद्मपुरा, जयपुर

...विशिष्ट अतिथि ...
श्री पारस जी जैन 'आगरावाले'
समाजसेवी

...विशिष्ट अतिथि ...
श्री सत्येन्द्र जी - रेखा जी जैन
समाजसेवी

... गौरवमयी सम्मान ...
वास्तुविद् श्री राजकुमार जी कोठ्यारी
अध्यक्ष, भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी - राजस्थान

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री चन्द्रप्रभुजी, कूकस (आमेर-जयपुर)

- अध्यक्ष - बाबूलाल बाकलीवाल 94603-80440
- कार्याध्यक्ष - सुनील कुमार पहाड़िया 98290-19610
- उपाध्यक्ष - पदमचन्द संघी 98290-56198
- उपाध्यक्ष - अरुण कोड़ीवाल 99509-95883
- संयुक्त मंत्री - अखिलेश गंगवाल 94140-44492
- कोषाध्यक्ष - सुरेन्द्र कुमार जैन 93517-15386
- मंत्री - प्रदीपकुमार गोधा 86969-49128

- सदस्य - राजकुमार कोठ्यारी 94140-48432
- सदस्य - इन्द्रकुमार जैन 98291-60927
- सदस्य - दीपेश छाबड़ा 98290-26332
- सदस्य - मोहनलाल बूचरा 98290-19610

निमंत्रण

- सहवृत्त सदस्य - राकेश छाबड़ा 86969-01634

मेला संयोजक
- सहवृत्त सदस्य - केशव गोदीका (अज्जू) 94140-56066

- सहवृत्त सदस्य - राहुल बाकलीवाल 94146-06597

निमंत्रण

विनीत : सकल दिगम्बर जैन समाज, जयपुर (राज.)

मेला समिति सदस्य :- दिनेश पाटनी (जिन्नू) • योगेश टोडरका • सुरेश भौंच • प्रदीप ठोलिया • अरुणेश गंगवाल
सुनील पाटनी 'मोहनबाड़ी' • मनोज बाकलीवाल • सौरभ गोधा • संजय पाण्ड्या • मयंक भौंच • अतुल बोहरा • गौरव छाबड़ा

वेद ज्ञान

लगन से जीवन बदल जाता है

इंग्लैंड के महान चिंतक जेम्स मूर ने इंग्लिश चैनल पार करने वाली पहली महिला तैराक के लिए बस इतना ही कहा था कि यह उनकी लगन का प्रतिफल है, अन्यथा संकल्प लेने वालों की कमी नहीं है। छोटा सा शब्द है लगन, पर जिसमें लग जाए, उसका जीवन बदल जाए। इतनी शक्ति है इसमें कि बड़े से बड़ा काम पूर्ण होने में कोई संदेह नहीं और छोटे से छोटा काम भी अपूर्ण रह जाए अगर लगन की अगन नहीं चढ़े। विद्यार्थियों को पढ़ाई की लगन लग जाए तो कभी असफलता उनकी राह में नहीं आएगी। संत पुरुषों में सच्चाई की खोज की लगन रहती है तो वैज्ञानिकों में नई-नई खोजों को पूरा करने का जुझारूपन। ईश्वर से लगन लगाने वाले लोग इतने रम जाते हैं कि कभी वे बहुत भावुक होकर रोने लगते हैं तो कभी नृत्य करने लगते हैं। मीरा को भगवान कृष्ण की भक्ति की जब लगन लग गई तो वह दीवानी बन गई। यह लगन की चरम पराकाष्ठा होती है, जिसके बाद शून्य का वृत आ जाता है। अपने परिप्रेक्ष्य में यह आत्मशक्ति और संकल्पशक्ति से जुड़ा हुआ है। इसलिए पहले छोटे और आसान संकल्पों को पूरा करने का जहमत उठाएं, उसके बाद बड़े अभियान की ओर। लक्ष्य प्राप्ति के बाद खुद की शक्ति का भी मूल्यांकन करें और खुद को शाबाशी दें। संपूर्ण परिवार का इसमें सहयोग हो जिससे कि राह और आसान हो जाए। सामाजिक रिश्तों का ताना-बाना बुनने वाले तत्वों में आत्मशक्ति का बहुत प्रभाव पड़ता है, क्योंकि यह आत्म शांति से जुड़ा होता है। कामनाओं की मृगतृष्णा में दौड़ता-हांफता मनुष्य एक उम्र के बाद जान जाता है कि उसकी शक्ति और हुनर किस क्षेत्र में सिद्ध हो सकती है। उस ओर ही लगन लगानी चाहिए। लगन को शौक से अलग परिभाषित किया गया है। शौक कई हो सकते हैं, पर लगन से हर शौक पूरा हो जाए, यह जरूरी नहीं। देश और समाज को क्षति पहुंचाने वाले शौक के लिए लगन लगाना देशद्रोह का सूचक है। ऐसे शौक वर्जित होते हैं। इन्हें कोई कितना भी लगन से पूरा कर ले, वह प्रशंसा का पात्र नहीं हो सकता। अच्छे लक्ष्यों और उद्देश्यों के कारण जो शौक पाले जाते हैं, वे समाज के लिए अनुकरणीय होते हैं। सकारात्मक और रचनात्मक शौक को पूरा करने के लिए जिस लगन की जरूरत होती है, उसके लिए दृढ़ इच्छाशक्ति होनी चाहिए।

संपादकीय

बयानवीर नेता खड़ी कर रहे मुसीबत...

कुछ राजनेता सार्वजनिक बयान देते वक्त शायद ध्यान नहीं रख पाते कि किसी मसले पर उनकी सरकार और पार्टी का क्या रुख है। इसलिए अक्सर वे विवाद के घेरे में आ जाते हैं। हिमाचल प्रदेश के लोक कल्याण मंत्री विक्रमादित्य सिंह का सड़क किनारे कारोबार करने वालों के लिए पहचान प्रदर्शित करने की अनिवार्यता संबंधी बयान भी कुछ ऐसा ही था। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि हिमाचल में भी उत्तर प्रदेश की तर्ज पर

सड़क पर कारोबार करने वालों के लिए दुकान के सामने अपना नाम और पहचान लिखना अनिवार्य किया जाएगा। इस बयान पर हिमाचल प्रदेश सरकार सतर्क हुई और उसने अपने मंत्री के बयान का खंडन करते हुए कहा कि सरकार ने ऐसा कोई फैसला नहीं किया है। इस बयान पर विक्रमादित्य सिंह को केंद्रीय नेताओं की नसीहत भी सुननी पड़ी। हालांकि उन्होंने अपने बयान के बारे में सफाई दे दी है, मगर इससे कांग्रेस को असहज होना पड़ा है। कांवड़ यात्रा के समय जब उत्तर प्रदेश सरकार ने आदेश जारी किया था कि यात्रा मार्ग के सभी दुकानदारों को दुकान के सामने अपना नाम लिखना होगा, तब कांग्रेस ने उसका पुरजोर विरोध किया था। आखिरकार सर्वोच्च न्यायालय की फटकार के बाद उत्तर प्रदेश सरकार को वह आदेश वापस लेना पड़ा था। विक्रमादित्य सिंह ने उस प्रकरण से कोई सबक लेना शायद जरूरी नहीं समझा। इसके अलावा उन्होंने वक्त की नजाकत भी नहीं समझी। उनका बयान ऐसे समय में आया, जब हिमाचल प्रदेश के शिमला और मंडी समेत कई जगहों पर मस्जिदों के लिए कथित रूप से अवैध रूप से जमीन कब्जा करने का मुद्दा गरमाया हुआ है। इसी संदर्भ में मांग उठी थी कि बाहर से आने वाले मजदूरों और सड़क किनारे कारोबार करने वालों का पंजीकरण होना चाहिए। इसे लेकर राज्य सरकार ने एक समिति भी गठित की है, जिसके सदस्य विक्रमादित्य सिंह भी हैं। निश्चय ही उनका उत्तर प्रदेश जैसा नियम लागू करने का विचार रहा होगा, जिसे उन्होंने सरकार और समिति के सामने रखने के बजाय सार्वजनिक मंच पर साझा कर दिया। यों भी एक परिपक्व नेता से अपेक्षा की जाती है कि जब तक वह किसी मसले पर अंतिम निर्णय न ले ले और सरकार उसे स्वीकार न कर ले, तब तक उस पर बयानबाजी से बचने का प्रयास करे। दरअसल, सड़क किनारे या बाजारों में दुकान चलाने वालों के पंजीकरण, पहचान प्रदर्शित करने आदि को लेकर कुछ संवैधानिक प्रावधान हैं। जीवन के अधिकार के तहत किसी भी व्यक्ति को देश के किसी भी हिस्से में अपने भरण-पोषण के लिए रोजगार करने का अधिकार है। इसके लिए पहचान प्रदर्शित करने की अनिवार्यता नहीं है। इसलिए यह एक कानूनी मसला भी है। मगर कुछ राज्य सरकारें सुरक्षा कारणों से या फिर खानपान में स्वच्छता आदि के मद्देनजर कुछ प्रावधान करने पर विचार कर रही हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने भी कावड़ियों के खानपान में शुद्धता रखने का ही तर्क दिया था।

परिदृश्य

पीड़ित बचपन

राजधानी दिल्ली में एक नाबालिग किशोर के साथ हुई बर्बरता यही दर्शाती है कि कम उम्र के बच्चों के लिए खतरा और बढ़ता जा रहा है। दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में रहने वाले चार लोगों ने बंदूक की नोक पर सत्रह वर्ष के एक बच्चे को न केवल बुरी तरह मारा-पीटा, घसीटा, जूते चाटने पर मजबूर किया, बल्कि उसे परेशान और अपमानित करने के लिए उसका यौन उत्पीड़न भी किया और इस सबका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया। अंदाजा लगाया जा सकता है कि किशोर से ऐसा बर्ताव करने वाले आरोपी किस कदर घृणा और विकृति से भरे हुए होंगे। आरोपियों के भीतर न केवल कानून का खौफ नहीं था, बल्कि वे इस बात को लेकर भी बेफिक्र थे कि जब कानून के हाथ उन तक पहुंचेंगे तब उन्हें क्या सजा मिल सकती है। सही है कि आपराधिक घटनाएं पहले भी होती रही हैं। मगर आपराधिक मानस वालों के और ज्यादा विकृत होते जाने की क्या वजहें हो सकती हैं और अपराधियों के निशाने पर अब कम उम्र के बच्चे ज्यादा क्यों आने लगे हैं। दरअसल, पिछले कुछ समय से अपराधों की बदलती प्रकृति और उसमें निशाने पर बच्चों का आना गंभीर चिंता की बात है। आए दिन ऐसी वारदात सामने आ रही हैं, जिसमें या तो किसी बच्चे की हत्या कर दी गई या फिर उसे बुरी तरह प्रताड़ित किया गया। जो लोग पहले से ही अपराध की दुनिया में होते हैं, उनके लिए कमजोर होने के नाते बच्चे आसान शिकार होते हैं, वहीं आसपास बदलते माहौल, अपराध और अश्लील सामग्री तक बेलगाम पहुंच की वजह से कई बार सहज जीवन जीते कुछ लोग भी विकृति का शिकार होकर बच्चों को निशाना बनाते हैं। हाल ही में हाथरस में एक स्कूल के संचालक ने महज अपने स्कूल की तरक्की के लिए अंधविश्वास में आकर एक बच्चे की बलि देनी चाही और बच्चे के शोर मचा देने पर उसकी गला दबा कर हत्या कर

दी। यानी चौतरफा बनती परिस्थितियों में बच्चों के जीवन के सामने खतरा बढ़ रहा है। अगर समय रहते नीतिगत और जमीनी स्तर पर ठोस पहलकदमी नहीं हुई, तो भविष्य के समाज और उसमें बच्चों की स्थिति की बस कल्पना भर की जा सकती है।

विद्याधर नगर स्टेडियम में होने वाली राम कथा में त्रिवेणी संगम के जल से निकलेगी कलश यात्रा

मुख्यमंत्री ने किया पोस्टर का विमोचन, छोटी काशी स्थित विद्याधर नगर स्टेडियम में 7 से 15 नवंबर तक होगी रामकथा

पद्मविभूषण जगद्गुरु रामभद्राचार्य करवाएंगे श्रोताओं को कथा का रसपान

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्रीबालाजी गौशाला संस्थान, सालासर के सान्निध्य में और विद्याधर नगर स्टेडियम आयोजन समिति जयपुर के तत्वावधान में विद्याधर नगर स्टेडियम में 7 से 15 नवंबर तक दोपहर 2 बजे से नौ दिवसीय श्रीराम कथा का आयोजन किया जाएगा। विद्याधर नगर स्टेडियम आयोजन समिति के सचिव एडवोकेट अनिल संत ने बताया कि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्रीराम कथा के पोस्टर का विमोचन किया। जयपुर पहुंचने पर पद्मविभूषण जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज का एयरपोर्ट से कथा स्थल तक भव्य स्वागत किया जाएगा। कलश यात्रा में रामभद्राचार्य के आशीर्वाद से जगह-जगह होगी पुष्प वर्षा। एयरपोर्ट से विद्याधर नगर तक के मार्ग में सौ तोरण-द्वार बनाए जाएंगे। मार्ग में महाराज से हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की जाएगी।

त्रिवेणी संगम के जल से निकलेगी कलश यात्रा...

विद्याधर नगर स्टेडियम आयोजन समिति के सचिव एडवोकेट अनिल संत ने बताया कि 6 नवंबर को शाही लवाजमे और बैंडबाजे के साथ प्रयागराज स्थित त्रिवेणी संगम के जल से भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। कलश यात्रा में 51 सौ महिलाएं पारंपरिक परिधान में त्रिवेणी संगम के जल से भरे कलश को सिर पर धारण कर चलेंगी। कलश यात्रा क्षेत्र के मुख्य मार्गों से होते हुए कथास्थल पहुंचेगी। कलशयात्रा का मार्ग में अनेक स्थानों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया जाएगा।

स्टेज होगा श्रीराम मंदिर का प्रतिरूप...

कार्यक्रम संयोजक राजन शर्मा ने बताया कि महाराज की कथा के लिए बनने वाला स्टेज अयोध्या के श्रीराम मंदिर का प्रतिरूप होगा। स्टेज को बंगाल के कारीगर तैयार करेंगे। संपूर्ण भारत के साधु-संतों को कथा में आने का निमंत्रण दिया जा रहा है। प्रतिदिन करीब 50 हजार लोगों के कथा में आने की उम्मीद है। कथा श्रवण को आनेवाले श्रद्धालुओं का कथास्थल में प्रवेश पास के आधार पर निशुल्क होगा। इसके लिए विद्याधर नगर स्टेडियम में चार द्वार बनाए जाएंगे।

जगद्गुरु ने की चार महाकाव्यों की रचना...

गुरु रामभद्राचार्य चित्रकूट में रहते हैं। उनका वास्तविक नाम गिरधर मिश्रा है। वे एक विद्वान, शिक्षाविद्, बहुभाषाविद्, रचनाकार, प्रवचनकार, दार्शनिक और हिंदू धर्मगुरु हैं। वे रामानन्द संप्रदाय के मौजूदा चार जगद्गुरुओं में से एक हैं और इस पद पर 1988 से आसीन हैं। महाराज चित्रकूट में जगद्गुरु रामभद्राचार्य विकलांग विश्वविद्यालय के संस्थापक और आजीवन कुलाधिपति भी हैं। चित्रकूट में तुलसी पीठ की स्थापना का श्रेय भी इन्हें ही जाता है। इन्होंने दो संस्कृत और दो हिंदी में मिलाकर कुल चार महाकाव्यों की रचना की है। इन्हें भारत में तुलसीदास पर सबसे बेहतरीन विशेषज्ञों में गिना जाता है। साल 2015 में भारत सरकार ने इन्हें पद्मविभूषण से सम्मानित किया था।

इनके वक्तव्य से बदला राम जन्मभूमी का फैसला...

उल्लेखनीय है कि पद्मविभूषण रामभद्राचार्य महाराज ने सुप्रीम कोर्ट में रामलला के पक्ष में वेद-पुराण के उद्धरण देकर गवाही दी थी। जब श्रीराम जन्मभूमी के पक्ष में वे वादी के रूप में शीर्ष कोर्ट में उपस्थित थे। उन्होंने ऋगवेद की जैमिनीय संहिता से उद्धरण देना प्रारंभ किया जिसमें सरयू नदी के स्थान विशेष से दिशा और दूरी का सटीक ब्यौरा देते हुए श्रीराम जन्मभूमी की दूरी बताई गई है। कोर्ट के आदेश से जैमिनीय संहिता मंगाई गई और उसमें जगद्गुरु द्वारा बताए गई पृष्ठ संख्या को खोल कर देखा गया तो समस्त विवरण सही पाए गए। इस प्रकार जगद्गुरु के वक्तव्य ने फैसले का रुख मोड़ दिया। जज ने भी कहा कि आज मैंने सनातनी प्रज्ञा का चमत्कार देखा है। एक व्यक्ति जो भौतिक रूप से आंखों से रहित है वो भारतीय वांग्मय और वेद-पुराणों के उद्धरण दे रहा है जो बिना ईश्वरीय कृपा के संभव नहीं है।

दिव्यांगता को हराया जगद्गुरु ने...

सिर्फ दो माह की उम्र में इनकी आंखों की रोशनी चली गई थी। लेकिन आज इन्हें 22 भाषाएं आती हैं और ये 80 ग्रंथों की रचना कर चुके हैं। न तो ये पढ़ सकते हैं और न लिख सकते हैं और न ही ब्रेल लिपि का प्रयोग करते हैं। केवल सुन कर सीखते हैं और बोल कर अपनी रचनाएं लिखवाते हैं। पद्मविभूषण रामभद्राचार्य एक ऐसे संन्यासी है जो अपनी दिव्यांगता को हरा कर जगद्गुरु बने हैं।

मुख्यमंत्री के पोस्टर विमोचन के समय

आयोजित समिति के अनिल संत एडवोकेट, डॉ. सुनील शर्मा, रविशंकर पुजारी, राधेश्याम अग्रवाल, आलोक अग्रवाल, गब्बर कटारा, पंकज ओझा सुधीर जाजू, राजेश पोद्दार, बजरंग शर्मा नेता, विवेक पोद्दार, रोहित कुमावत, टींकू राठोड़ मोजूद रहे।

रॉयल ग्रुप मित्र मंडल ने आचार्य श्री सुनील

जयपुर. शाबाश इंडिया

रॉयल ग्रुप मित्र मंडल ने बेहद हर्ष और उल्लास के साथ आचार्य गुरुवर श्री सुनील सागर जी महाराज के 47 वें अवतरण दिवस के शुभ अवसर पर आरके कम्युनिटी सेंटर, किशनगढ़ में आचार्य श्री से आशीर्वाद प्राप्त किया।रॉयल ग्रुप के सेक्रेटरी नरेश जैन मेड़ता ने बताया कि सरक्षक सुरेंद्र पाटनी, पारसमल छाबड़ा और अध्यक्ष दीपक सेठी के नेतृत्व में रॉयल ग्रुप के सभी पदाधिकारीगण ने आचार्य श्री के दर्शन किये और उनके अनमोल आशीर्वाद का अनुभव किया। यह दिन सभी के लिए बेहद विशेष था, क्योंकि आचार्य श्री के आशीर्वाद ने हम सभी को नई ऊर्जा और प्रेरणा दी। आचार्य गुरुवर सुनील सागर जी महाराज के 47 वें अवतरण दिवस की बधाई देते हुए, हम सभी ने उनके दीघार्यु और उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना की। रॉयल ग्रुप के सदस्यों ने नेमीनाथ जैन मंदिर, रूपनगढ़ में आयोजित सामाजिक कार्यक्रम में पूरे उत्साह और समर्पण के साथ शिरकत कर ब्रह्मचारिणी पूर्णिमा दीदी से मुलाकात कर दीदी के आशीर्वाद और प्रेरणादायक वचनों को सुना। इस अवसर पर रॉयल ग्रुप के उपाध्यक्ष संजय जैन लाडनूं ने अपनी विशेष प्रस्तुति दी। उनकी प्रस्तुति ने सभी उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। इस अवसर पर मोनिका जैन ललिता छाबड़ा मोना सेठी अल्पना पाटनी सहित सदस्यगण मौजूद थे।

महावीर इंटरनेशनल अपेक्स करेगी नेपाल के पूर्व र्राष्ट्रपति का सम्मान

श्री अशोक कुमार वैधअध्यक्ष-
नेपाल-भारत सहयोग मंच

श्री चन्द्रकिशोर झा
गांधीवादी नेता-नेपाल

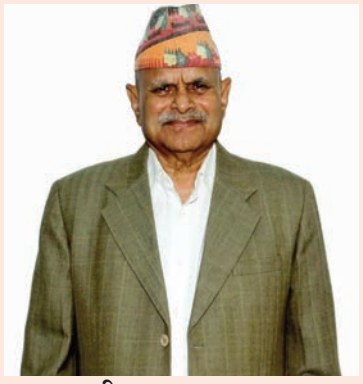

श्री रामबरण यादव
पूर्व राष्ट्रपति-नेपाल

सूरत. शाबाश इंडिया। महावीर इन्टरनेशनल अपेक्स के बैनर तले नेपाल के पूर्व एंव प्रथम राष्ट्रपति रामबरण यादव के सम्मान में 30 सितम्बर शाम 7 बजे डुमस रोड़ स्थित एक क्लब में सम्मान समारोह आयोजित होगा। जानकारी देते हुए संगठन के अंतर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वीर गणपत भन्साली ने बताया कि नेपाल के पूर्व राष्ट्रपति का महावीर इंटरनेशनल की स्थापना की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष में उन्हें सम्मानित किया जाएगा। संगठन के अंतर्राष्ट्रीय निदेशक वीर सुरेन्द्र मरोठी ने बताया कि इस अवसर पर नेपाल के गांधीवादी नेता चन्द्रकिशोर झा तथा नेपाल-भारत मैत्री संघ के अशोक कुमार वैध को भी सम्मानित किया जाएगा। मरोठी ने बताया कि इस सम्मान समारोह में संगठन की पांचों शाखाओं के चेयरमेन व सचिव गण तथा अपेक्स पदाधिकारी मौजूद रहेंगे।

नेट थिएट पर शास्त्रीय संध्या मधुवंती

जा जा रे कगवा संदेशवा पिया पास ले जा

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेट थिएट कार्यक्रमों की श्रंखला में आज किशनगढ़ अजमेर के सुप्रसिद्ध शास्त्रीय गायक जुगल किशोर ने राग पहाड़ी में एक ठुमरी ''जा जा रे कगवा संदेशवा पिया पास ले जा, दिन बीते मोरे तड़पत तड़पत,रतिया कटी तारे गिन गिन'' को मध्यलय में बड़े सुरीले अंदाज में प्रस्तुत कर दर्शकों की दाद पाई। नेट थिएट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि कलाकार जुगल किशोर ने अपने कार्यक्रम की शुरूआत राग मधुवंती में छोटा और बड़ा ख्याल विलंबितलय में ''काहे मान करे सखी री अब, बहुत दिनों से पिया घर आए, वा को मानावो धीरधरो'' को बड़े मनोयोग से गाकर अपनी गायकी का परिचय दिया और दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। इनके साथ तबले पर शाहिद हुसैन खान ने अपनी संगत से कार्यक्रम को परवान चढ़ाया। कार्यक्रम संयोजक नवल डांगी, कैमरा मनोज स्वामी, संगीत विनोद सागर गढ़वाल,साउंड वीरेंद्र सिंह राठौड़ और मंच सज्जा जीवितेश शर्मा और अंकित शर्मा नोनू की रही।

क्रिएचर फाउंडेशन में नए कोर्स प्रारम्भ

जयपुर. शाबाश इंडिया। क्रिएचर फाउंडेशन 1000 महिलाओं को आर्थिक रूप से निर्भर बनाने के लक्ष्य पर तेजी से अग्रसर है । यह जानकारी देते हुए फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ राजीव जैन सचिव कुलविंदर सिंह ढिल्लों ने बताया कि अभी तक फाउंडेशन द्वारा महिलाओं को निशुल्क सिलाई का प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगारोन्मुख बनाया जा रहा है । साथ ही ऐसी जरूरतमंद महिलाओं को जिनका प्रशिक्षण पूरा हो चुका है उनको सिलाई मशीन भी भेंट दी गयी है । अब क्रिएचर फाउंडेशन द्वारा ब्यूटीशियन और हैंडीक्राफ्ट्स के प्रशिक्षण भी प्रारम्भ कर दिए गये हैं। विभिन्न प्रकार की मेकअप तकनीक, त्वचा की शारीरिक रचना, त्वचा की देखभाल, हेयर स्टाइलिंग और ग्रूमिंग, मैनीक्योर, पेडीक्योर, वैक्सिंग सिखाई जाएगी । साथ ही हैंडीक्राफ्ट्स का कई प्रकार के सामान बनाने का प्रशिक्षण भी निशुल्क दिया जायेगा ।

आदिनाथ पब्लिक स्कूल में ''वर्ल्ड हार्ट डे'' कार्यक्रम आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। हृदय रोग एवम इससे संबंधित बीमारियों के बारे में विद्यार्थियों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से दिनांक 28 सितंबर 2024 ,शनिवार को सांगानेर स्थित आदिनाथ पब्लिक स्कूल में ''वर्ल्ड हार्ट डे'' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने मानव शरीर में हृदय का महत्व एवम उपयोगिता, रोग के कारण, इससे निदान हेतु रखी जाने वाली सावधानियों, नियमित जीवन शैली आदि विभिन्न विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन अध्यापिका श्रीमती आरती शर्मा ने किया तथा हृदय संबंधी अनेक पहलुओं से अवगत कराया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रिंसिपल डॉ पवना शर्मा ने विद्यार्थियों को व्यवस्थित दिनचर्या से होने वाले लाभों की जानकारी देते हुए सभी को इसे अपनाने हेतु प्रेरित किया ।

दो दिवसीय वार्षिक मेला

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र चंद्रप्रभु जी कूकस का दो दिवसीय वार्षिक मेला दिनांक 5 एवं 6 अक्टूबर 2024 को आयोजित हो रहा है। इस अवसर पर मुनि श्री 108 समस्त सागर जी महाराज एवं शील सागर जी महाराज का सानिध्य प्राप्त हो रहा है। क्षेत्र प्रबंधकारिणी समिति के मंत्री प्रदीप गोधा ने बताया की मेला कार्यक्रम अनुसार शनिवार दिनांक 05-10-2024 को प्रातः गुरुदेव के मंगल प्रवेश के पश्चात 8:30 बजे वृहत शांति धारा एवं 9:15 बजे से चन्द्र प्रभु विधान पूजा की जाएगी। रात्रि 8-30 बजे से भक्ति संध्या का आयोजन होगा जिसमें जयपुर के विख्यात भजन गायक पूनम चंद्र गोधा, अशोक पांड्या श्रीमती मीनू सौगानी ९ सुनील पांड्या , आयुष पांड्या, आरुषि कोडीवाल आदि के द्वारा भजन प्रस्तुतियां दी जाएगी। वार्षिक मेले के दूसरे दिन रविवार दिनांक 06-10-2024 को प्रातः 8:30 बजे वृहत शांति धारा तत्पश्चात प्रातः 9.15 बजे साजों से 24 तीर्थंकर पूजन श्री वीर संगीत मंडल द्वारा कराएंगी। इसके बाद दोपहर 3.00 बजे गुरुदेव समत्व सागर जी महाराज का प्रवचन, दोपहर 3:30 बजे से श्री जिनेंद्र भगवान के कलशाभिषेक होंगे। मेला संयोजक केशव गोदीका ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुधांशु कासलीवाल, अध्यक्ष अतिशय क्षेत्र महावीर जी व अध्यक्षता सुधीर जी जैन दोसा वाले अध्यक्ष अतिशय क्षेत्र पदमपुरा होंगे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पारस जैन आगरा वाले एवं सत्येंद्र रेखा जैन होंगे। इस अवसर पर क्षेत्र कमेटी द्वारा भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी, राजस्थान के नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजकुमार कोठारी का भी सम्मान किया जाएगा। क्षेत्र प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष बाबूलाल बाकलीवाल के अनुसार आज राजस्थान जैन सभा कार्यालय में मुनि संघ के सानिध्य में मेला पोस्टर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर कूकस प्रबंधकारिणी समिति के कार्याध्यक्ष सुनील पहाड़िया, उपाध्यक्ष पदम संधी, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र जैन, संयुक्त मंत्री अखिलेश गंगवाल, कार्यकारिणी सदस्य मोहन लाल बूचरा, दीपेश छाबड़ा के अतिरिक्त राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष चंद्र जैन, महामंत्री मनीष बैद, कोषाध्यक्ष राकेश छाबड़ा व अन्य पदाधिकारी गण, मुनी संघ सेवा समिति के अध्यक्ष राजीव गाजियाबाद आदि उपस्थित थे।

हिन्दू आध्यात्मिक एवं सेवा मेले में पहुंचे विधानसभा अध्यक्ष देवनानी

शिक्षा में नैतिक मूल्यों के समावेश की आवश्यकता: मुनि श्री समत्व सागर

शिक्षकों को निभानी होगी गुरू की भूमिका: देवनानी

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि वर्तमान परिहश्य में युवा पीढ़ी को भविष्य की चुनौतियों से मुकाबला करने के लिए तैयार करना होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। युवा पीढी में भारत की सांस्कृतिक परम्पराओं के अनुरूप मानवता, सहिष्णुता, धैर्य जैसे गुणों के साथ भारतीय संस्कारों के समावेश के लिए शिक्षकों को गुरु की भूमिका निभानी होगी। विधान सभा अध्यक्ष देवनानी शनिवार को यहां राजापार्क स्थित दशहरा मैदान में आयोजित हिन्दू आध्यात्मिक एवं सेवा मेलों में शिक्षक वंदन कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। देवनानी ने दीप प्रज्ज्वलन कर शिक्षक वंदन समारोह का शुभारम्भ किया। देवनानी ने कहा

कि जिसका स्तर मां जैसा हो वह मास्टर कहलाता है। शिक्षकों को बच्चों को पढाने के साथ-साथ संस्कार भी देने होंगे। उन्होंने कहा कि समग्र चेतना का जागरण आज की आवश्यकता है। भारतीय संस्कृति को कोई समाप्त नही कर सकता है। शिक्षकों को भारतीय संस्कृति से युवाओं को जोडे रखने के लिए सतत प्रयास करने होंगे। देवनानी ने कहा कि राष्ट्र सर्वोपरि है। यह भावना बचपन से ही युवा पीढी में पैदा करनी होगी। इस भावना को युवाओं में पैदा करने वाला ही सच्चाव शिक्षक होता है। उन्होंने कहा कि हमारे आदर्श, हमारे महापुरूष और हमारी महान संस्कृति है। राष्ट्र के भविष्य को सशक्त करने के लिए मानवीय मूल्यों को आचरण में लाना होगा। देवनानी ने कहा कि रिसर्जेन्ट भारत भी राष्ट्र के संस्कारों से ही बनेगा। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि नारी का सम्मान भारत में अनादिकाल से है। पर्यावरण संरक्षण हमारी संस्कृति है। भारतीय संस्कृति के भाव में वैज्ञानिक दृष्टिकोण है। देवनानी ने बच्चों के जीवन को अच्छे संस्कारों से गढने के लिए शिक्षकों का आव्हान किया। इन्टरनेट के युग में भी भारतीय संस्कारों की आवश्यकता बताई। मुनि श्री समत्व सागर ने शिक्षा में नैतिक मूल्यों के समावेश की आवश्यकता बताते हुए कहा कि शिक्षकों को स्वयं को ऐसे व्यवहार का प्रदर्शन करना होगा ताकि उन्हें बच्चों से सम्मान मिल सके। समारोह में राजस्थान विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. अल्पना कटेजा भी मौजूद थी। स्वागत भाषण फाउण्डेशन के गुरूवन्त सिंह कोठारी ने किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने शिक्षकों का वंदन किया। ओम गुरूभ्यों नमः से पाण्डाल गुंजायमान हो गया। इस दौरान बच्चों को माता-पिता, शिक्षकों, नारी के सम्मान, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्र के प्रति नैतिक जिम्मेदारियों को निभाने का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम में विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के शिक्षक और विद्यार्थी बड़ी संख्या में मौजूद थे।

'पितृपक्ष में श्राद्ध एवं पिंडदान'

'श्राद्ध 'का मतलब-माता पिता आदि पारिवारिक जनों के मृत्यु के पश्चात उनकी आत्मा की शान्ति के लिए श्रद्धापूर्वक किये जाने वाले कर्मों को 'पितृ श्राद्ध' कहते हैं। हिन्दू धर्म में पितृपक्ष का समय बहुत ही खास माना जाता है। यह निरन्तर १६दिनों तक चलने वाला कार्यक्रम है। इस दौरान अपने पूर्वजों की आत्मा की शान्ति के लिए कई प्रकार के अनुष्ठान किया जाते हैं।इस दौरान पितृ तर्पण और पिंडदान करना बहुत शुभ माना जाता है। ऐसा करने से पितृदोष से मुक्त मिलती है। इसके साथ ही साथ परिवार में खुशहाली आती है। ऐसा कहा जाता है कि, गया में पितरों को श्राद्ध और पिंडदान करने से उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है। 'गया' में श्राद्ध एवं पिंडदान' का इतना क्यों महत्व है? इसके बारे में एक पौराणिक कथा प्रचलित है, जो इस प्रकार है - 'गयासुर' नाम का एक राक्षस था। जिसने ब्रह्मा जी की कठोर तपस्या करके वरदान प्राप्त कर लिया कि उसे देखने मात्र से लोग पवित्र हो जाएं और उनको स्वर्ग की प्राप्ति हो जाय। इससे पृथ्वी का संतुलन बिगड़ने लगा तो देवता लोग विष्णु जी के पास आये और उनके कहने पर गयासुर ने यज्ञ हेतु अपना शरीर समर्पित कर दिया। यज्ञोपरान्त विष्णु जी गयासुर को मोक्ष प्रदान किया और ये भी कहा कि जो भी व्यक्ति 'गया' में अपने पितरों को श्रद्धापूर्वक श्राद्ध एवं पिंडदान' करेगा, उसके पितरों की मुक्ति हो जाएगी। संसार में आवागमन से मुक्त होकर मोक्ष की प्राप्ति हो जायेगी। धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान राम जी ने 'फल्गु नदी ' के तट पर अपने पिता महाराज दशरथ का श्राद्ध एवं पिंडदान किया था।तब से 'गया' वह स्थान बन गया जहां लोग अपने पितरों को श्राद्ध एवं पिंडदान 'गया' में किया करते हैं। शास्त्रों का स्पष्ट मत है कि,ज्जो व्यक्ति श्राद्ध करता है, वह पितरों का आशीर्वाद प्राप्त करता है। और आयु, बल , बुद्धि,यश, सुख ,वैभव , सुख-शांति एवं धन-धान्य को प्राप्त करता है। इसी निमित्त आश्विन मास के कृष्ण पक्ष में प्रतिदिन नियमपूर्वक स्नान करके पितरों को तर्पण किया जाता है। और जो दिन मृत्यु का होता है, उस दिन यथाशक्ति श्रेष्ठ कार्यों के लिए व सत्प्रवृत्ति संवर्धन के लिए दान दिया जाता है। गरुण पुराण के अनुसार पितृ पूजन से संतुष्ट होकर पितर मनुष्यों के लिए आयु, पुत्र,यश, स्वर्ग,बल,वैभव,पशु एवं धन-धान्य आदि प्रदान करते हैं। कृतज्ञता की भावनाओं से ओत-प्रोत श्राद्ध कर्म समस्त प्राणियों में शांति मयी भावनाओं का संचार करता है। इसलिए हम सभी को अपने पितरों की आत्मा की शान्ति हेतु श्राद्ध एवं पिंडदान करके अपने पितरों से आशीर्वाद प्राप्त करना चाहिए।

भगवानदास शर्मा प्रशांत शिक्षक सह साहित्यकार इटावा उत्तर प्रदेश दूरभाषः7017777083
ईमेलः bhagwandas.das@rediffmail.com

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग की बैठक

श्रमण संस्कृति एक्ट बना कर जैन धर्म और संस्कृति को संरक्षित किया जाए

जयपुर. शाबाश इंडिया। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग नई दिल्ली में देश भर के जैन समुदाय के संगठनों की आयोजित बैठक में राजस्थान राज्य से पहुंचे प्रतिनिधि मण्डल ने जैन धर्म और तीर्थों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए प्रभावी ढंग से रखी जिसमें प्राकृत भाषा,जैन तीर्थ क्षेत्रों गिरनार,सम्मेद शिखर और अन्य जैन तीर्थों की सुरक्षा,संरक्षण और मांस मदिरा सख्त निषेध,जैन संतो के विहार,निहार और उनकी चर्या की सुरक्षा,चातुर्मास हेतु भूमि आवंटन, जैन मंदिरों की संपत्तियों पर अवैध कब्जों से मुक्ति जैसे कई मुद्दों पर गंभीरता से अपनी बात रखी। वरिष्ठ समाजसेवी महेंद्र पारख ने बताया की राजस्थान सरकार के द्वारा जैन संतो की सुरक्षा हेतु और उनके विहार,चातुर्मास के समय भूमि के आवंटन के आदेश के बारे में बताया। इस अवसर पर रवि जैन तथा लोकेश जैन ने बताया की श्रमण संस्कृति कानून भारत सरकार के अल्पसंख्यक मंत्रालय द्वारा बनाये जाने की मांग करते हुए अल्पसंख्यक मंत्रालय के राज्यमंत्री जार्ज कुरियन और राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्य इकबाल सिंह लालपुरा,धन्य कुमार जिनप्पा गुंडे (जैन सदस्य) को को ज्ञापन सौंपा गया। राजस्थान समग्र जैन युवा परिषद् के सलाहकार ज्ञानचन्द जैन (पूर्व तहसीलदार) और अध्यक्ष जिनेन्द्र जैन ने बताया कि जैन श्रमण संस्कृति कानून बनने से जैन श्रमण संस्कृति का सहिंताकरण होगा और प्राकृत भाषा,संलेखना,दिगम्बर मुनि का नग्न अवस्था धारण करना,उनके द्वारा खुले में शौच,जैन धर्म के सिद्ध क्षेत्रो, अतिशय क्षेत्रों,प्राचीन जिन मंदिरों, नसियां पर अवैध अतिक्रमण से मुक्ति, संरक्षण हेतु देश के सभी राज्यों में श्रमण संस्कृति बोर्ड का गठन अनिवार्य होगा और इस बोर्ड का वैधानिक अस्तित्व सम्पूर्ण राष्ट्र में लागू होगा।जैन बैंकर्स फॉर्म के अध्यक्ष भागचन्द जैन 'मित्रपुरा' ने बताया कि राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग की इस बैठक में राजस्थान भारत भूषण,जय कुमार जैन,डॉ. पी.सी जैन हैं,प्रवीण बड़जात्या आदि कई

साधना का मुख्य उद्देश्य है व्यक्ति अपने स्वभाव, प्रकृति से जुड़े : युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी महाराज

एएमकेएम में पुच्छिस्सुणं संपुट की अठारहवीं गाथा का हुआ स्वाध्याय

सुनील चापलोत.शाबाश इंडिया

चैन्नेई। साधना का मुख्य उद्देश्य यह है कि व्यक्ति अपने स्वभाव और प्रकृति से जुड़े। इसके माध्यम से वह आत्मिक शांति, ज्ञान और अंतर्निहित शक्तियों की प्राप्ति करता है। साधना व्यक्ति को आत्म-चेतना, मानसिक संतुलन, और आंतरिक विकास की दिशा में मार्गदर्शन करती है। शनिवार को एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर के आनन्द दरबार मे श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी म.सा. के सानिध्य मे पुच्छिस्सुणं संपुट की अठारहवीं गाथा का स्वाध्याय हुआ। युवाचार्यश्री ने इस गाथा की महत्ता बताते हुए कहा कि प्रकृति में रहे हुए जीवनकारी तत्वों के साथ परमात्मा के गुणों का वर्णन किया है। जैन दर्शन प्रकृति के बहुत निकट है। वृक्ष और नन्दनवन की उपमा प्रभु के गुणों को दी गई। आज आधुनिक सुख-सुविधाओं, साधनों को देखकर व्यक्ति धर्म साधना से विमुख हो रहा है। सामायिक, साधना, नवकार मंत्र जप, लोगस्स पाठ की साधना से जो धर्म साधना की जाती है, उसका मुख्य उद्देश्य व्यक्ति अपने स्वभाव, प्रकृति से जुड़े। उन्होंने कहा आज कृत्रिमता में रुचि ज्यादा बढ़ गई है। एक समय था जब जब राजा के पास जाते थे तो प्राकृतिक वस्तु भेंट स्वरूप ले जाते थे। प्रकृति से ही किसी का सम्मान होता था। आज भेंट देनी होती है तो प्रकृति को भी कृत्रिमता से सजाकर दिया जाता है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

जनसंत गुरु उपाध्याय श्री विरंजन सागर जी ससंघ के सानिध्य में जबलपुर में हुआ अधिवक्ता सम्मेलन

रत्नेश जैन राजेश रागी बकस्वाहा

जबलपुर। आज का सदन पूज्य गुरुदेव के मंगल प्रवेश से शुरू हुआ और सत्र प्रारंभ हुआ उसके साथ ही मढिया जी जबलपुर के आराध्य मूलनायक भगवान पदमप्रभु के साथ साथ आचार्य श्री विद्यासागर एवं आचार्य श्री विराग सागर जी मुनिराज का चित्र अनावरण द्वीप प्रज्वलन मुख्य अतिथि के द्वारा किया गया। मंच का संचालन अनिल जैन सागर, डॉ. निधि जैन तारबाबू, एडवोकेट मनीष जैन के द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में आई एडवोकेट रश्मि ऋतु सागर ने सभी को उद्बोधन दिया, साथ ही पूज्य गुरुदेव के पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट कर मंगल वाणी को सुनने हेतु निवेदन किया। गुरुदेव ने प्रवचन के माध्यम से सभी वकील भाइयों को कहा कि हमारे तीर्थ क्षेत्र मंदिरों पर कब्जा की स्थिति दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है , जो कि हमारे लिए न कि वर्तमान स्थिति को खराब करने वाली है बल्कि भविष्य में पुरानी

धरोहर संपदा को भी नष्ट कर रही है। हम जैन समाज में इतने तादाद में वकील है जज है, हर क्षेत्र में कोई न कोई अधिकारी है परंतु हम में से कोई भी इस कार्य में अपना योगदान नहीं दे रहा है। यदि आगे भी ऐसा चलता रहा तो हमारे तीर्थ मंदिर कुछ भी नही होंगे। इसके लिए सबसे पहले अपनी मानसिकता को एक करना होगा। धर्म से जुड़ना होगा। साधुवाद पंथवाद को खत्म कर हम सिर्फ जैन है और हमारी जैन समाज एक है। किसी भी जैन समाज पर कोई आपत्ति विप्पति आती है तो हम एक होकर के खड़े है। साधु तो एक मयार्दा के बंधन से बंधा होता है परंतु आप लोगो को किसी बंधन से बंधने की आवश्यकता नहीं है। इसी के साथ ही सभी वकील भाइयों का सम्मान चातुर्मास सेवा समिति एवं पिसनहारी मढिया ट्रस्ट के द्वारा किया गया और सभी वकील भाइयों ने पूज्य गुरुदेव के समक्ष यह संकल्प लिया कि आगे कभी भी तीर्थ क्षेत्र मंदिर या किसी जैन गरीब परिवार के उपर कोई आपत्ति आयेगी तो हम उसके लिए उसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े है। इसके लिए हम एक कमेटी गठित कर रहे है और एक कार्यालय बनाकर ऐसे कार्य के लिए आगे आएंगे।

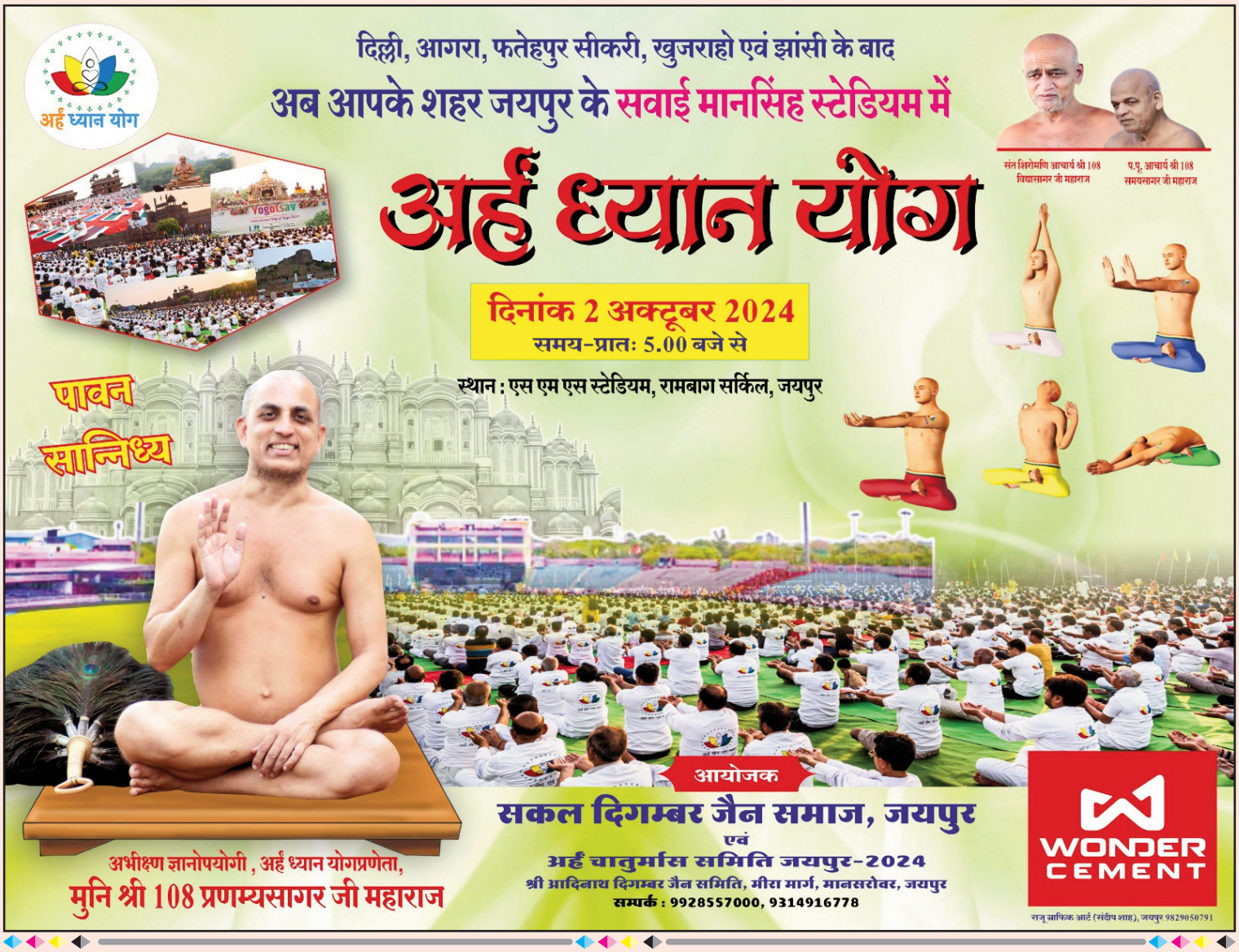

जैन इंजीनियर्स सोसायटी जयपुर साउथ चैप्टर का क्षमावाणी कार्यक्रम सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन इंजीनियर्स सोसायटी जयपुर साउथ चैप्टर का क्षमावाणी कार्यक्रम दिनांक 28 सितम्बर, 2024 (शनिवार) को कानोता कैम्प रिसोर्ट में सम्पन्न हुआ ।कानोता कैम्प रिसोर्ट, अजमेरी गेट जयपुर से लगभग 15 किमी. दूर कानोता बांध पर स्थित है । कार्यक्रम में इंजी. पी सी छाबडा (सचिव, जेस फाउंडेशन), इंजी. देवेन्द्र मोहन जैन (संयुक्त सचिव, जेस फाउंडेशन), इंजी. अरुण कुमार जैन (उपाध्यक्ष), इंजी. राकेश कुमार बगडा (उपाध्यक्ष), इंजी. पी के जैन (सचिव), इंजी. रमेश गंगवाल (कोषाध्यक्ष), इंजी. बी पी जैन (संयुक्त सचिव) सहित 40 दम्पत्ति सदस्यों ने भाग लिया। सदस्यों ने सर्व प्रथम श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर जग्गा की बावडी के दर्शन कर कार्यक्रम स्थल के लिए प्रस्थान किया। कार्यक्रम का आरम्भ स्वागत पेय एवं अल्पाहार के साथ हुआ । तत्पश्चात सदस्यों ने रिसोर्ट स्थित स्वीमिंग पूल में संगीत के साथ स्वीमिंग एवं वाटर स्लाइड का भरपूर आनंद उठाया । दोपहर भोजन के पश्चात सामुहिक क्षमावाणी एवं मनोरंजक हाऊजी का कार्यक्रम आयोजित हुआ ।सदस्यों ने विगत वर्ष में जाने या अनजाने में हुई गलती के लिए एक दूसरे से क्षमा याचना की। अन्त में चेप्टर के उपाध्यक्ष इंजी. राकेश बगडा के जन्म दिन मनाने, अन्य सदस्यों को वैवाहिक वर्षगांठ / जन्म दिन के उपहार वितरण एवं विदाई चाय के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

जिस दिन जगदीश से सम्बन्ध बन जाएगा उस दिन असली पहचान बन जाएगी: राजन महाराज

चाह करे भगवत पद की, भक्त को जीताने के लिए हार जाते भगवान

विश्राम दिवस पर चित्रकूटधाम में कल सुबह 10 से दोपहर एक बजे तक होंगी श्रीराम कथा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। पूरे जगत से सम्बन्ध बन गया पर उसका कोई अर्थ नहीं है। जिस दिन जगदीश से सम्बन्ध बन जाएगा उस दिन असली पहचान बन जाएगी। हम भगवान के काम पर ध्यान देते है पर हमे जो करना है उस पर ध्यान नहीं देते। जिस दिन हमारी चाह समाप्त हो जाएगी उस दिन प्रेम शुरू हो जाएगा। वर्तमान अर्थ प्रधान युग में बिना अर्थ परमार्थ नहीं हो सकता पर अर्थ इतना ही हो कि अनर्थ नहीं हो जाए। अर्थ सीमा से ज्यादा होने पर मति भ्रष्ट कर सकता है। हम जिस भगवत कथा श्रवण का आनंद प्राप्त कर रहे वह देवताओं को भी प्राप्त नहीं होता है। ये विचार ख्यातनाम कथावाचक पूज्य राजन महाराज ने श्रीसंकट मोचन हनुमान मंदिर ट्रस्ट एवं श्री रामकथा सेवा समिति भीलवाड़ा के तत्वावधान में नगर निगम के चित्रकूटधाम में आयोजित नौ दिवसीय संगीतमय श्री रामकथा महोत्सव के आठवें दिन कथावाचन के दौरान व्यक्त किए। संकटमोचन हनुमान मंदिर के महन्त बाबूगिरीजी महाराज के सानिध्य में आयोजित कथा में आठवें दिन राम-भरत मिलाप, भरत-निषादराज संवाद आदि प्रसंगों का भावपूर्ण वाचन किया गया। रामकथा श्रवण करने के लिए भक्तगण इस तरह उमड़े रहे है कि विशाल डोम के अतिरिक्त भी बैठने की व्यवस्था करने पर भी स्थान मिलना कठिन हो रहा है। भावों से ओतप्रोत भक्तगण जहां जगह मिल रही वहीं बैठ भक्तिभाव से कथाश्रवण कर रहे है। विश्राम दिवस रविवार को चित्रकूटधाम में श्रीराम कथा सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक होंगी। अंतिम दिन राम के राज्याभिषेक प्रसंग का वाचन होगा। व्यास पीठ पर विराजित राजन महाराज ने कहा कि पद पाना है तो भगवान के भक्त का पद पाए संसार में किसी भी पद पर बैठ जाए वह पद एक न एक दिन त्यागना पड़ेगा ओर पद त्यागते ही भूतपूर्व बन जाएंगे। भगवान का भक्त भूतपूर्व नहीं अभूतपूर्व होता है। इसलिए भगवत पद की कामना करे। स्वभाव समझ में आ जाए तो व्यवहार करने में कठिनाई नहीं होती। इसीलिए सामने वाले का स्वभाव जान व्यवहार करना चाहिए। उन्होंने राम से मिलने के लिए भरत के सेना के साथ आने पर लक्ष्मण के आवेश में आकर हथियार उठा लेने के प्रसंग की चर्चा करते हुए कहा कि कभी भी आवेश में आकर जल्दबाजी में कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए वरना बाद में पछताना पड़ता है। राम ओर भरत का प्रेम इस सम्बन्ध की परिकाष्टा है। जो आपके लिए अपने आपको समाप्त करने को तैयार हो जाए वहीं जीव भगवान के समान होता है। भगवान भक्त को जीताने के लिए हमेशा हार जाते है।

धर्म जागृति संस्थान राजस्थान प्रान्त को सर्वश्रेष्ठ शाखा का मिला सम्मान

धर्म जागृति संस्थान के राष्ट्रीय अधिवेशन फिरोजाबाद में किया सम्मानित

फिरोजाबाद. शाबाश इंडिया। अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान द्वारा परम पूज्य आचार्य श्री वसुनन्दी जी महाराज ससंघ के सानिध्य में कांच नगरी फिरोजाबाद उत्तरप्रदेश स्थित सेठ छदामीलाल जैन धर्मशाला में आयोजित अष्टम राष्ट्रीय अधिवेशन में धर्म जागृति संस्थान राजस्थान प्रान्त को वर्ष पर्यंत उत्कृष्ट कार्य हेतु सर्वश्रेष्ठ शाखा के सम्मान से सम्मानित किया गया। धर्म जागृति संस्थान के राष्ट्रीय महामंत्री इंजीनियर भूपेंद्र जैन दिल्ली के अनुसार भारत के 22 प्रान्तों में लगभग 200 से अधिक शाखाएं धर्म जागृति संस्थान की संचालित हो रही है उन सभी के वर्ष पर्यंत किये गए कार्यो की समीक्षा राष्ट्रीय कार्यकारिणी द्वारा की जाती है जिसमे राजस्थान की प्रांतीय शाखा द्वारा पदम जैन बिलाला की अध्यक्षता में सर्वश्रेष्ठ कार्य किये गए जिसके आधार पर सर्वश्रेष्ठ शाखा के रूप में राष्ट्रीय महामंत्री भूपेन्द्र जैन, अधिवेशन संयोजक संजीव जैन दिल्ली,राष्ट्रीय प्रचार मंत्री संजय जैन बड़जात्या कामां द्वारा प्रशस्ति प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रांतीय शाखा की ओर से अध्यक्ष पदम जैन बिलाला जयपुर,महामंत्री सुनील पहाड़िया,कोषाध्यक्ष पंकज लुहाड़िया, कामां शाखा अध्यक्ष संजय जैन सर्राफ,सीकरी अध्यक्ष पुष्पेन्द्र जैन ने ग्रहण किया। राजस्थान से द्वितीय शाखा (महिला) - खेरली, श्रेष्ठ पदाधिकारी - पंकज लुहाड़िया, सुनील पहाड़िया श्रेष्ठ कार्यकर्ता विनय जैन - धौलपुर- सुरेंद्र जैन - बालोंतरा, विशेष सम्मान - ओम प्रकाश मामाजी राजेंद्र ठोलिया,सोभाग अजमेरा,निकिता लुहाड़िया को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में नई शाखाये कुचामन सिटी - सुभाष पहाड़िया , किशनगढ़ रेनवाल केवल बिलाला, तिजारा - ललित जैन, भिवाड़ी - रजत जैन, दौसा - राजेंद्र खैरवाल, निवाई - विमल पाटनी जोंला को शपथ दिलाई गई। तो वही राजस्थान की बाईस शाखाओ की सहभागिता रही।

छात्राओं ने जीता गोल्ड मेडल, खुशी से झूम उठा सारा गांव

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। झड़वासा कस्बे के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं ने टुनार्मेंट में जिला हॉकी प्रतियोगिता में प्राप्त किया पहला स्थान प्रधानाचार्य कौशल्या यादव ने बताया की झड़वासा सीनियर विद्यालय की छात्राओं की विद्यालय की शारीरिक शिक्षिका आरती शेर के सानिध्य व कैप्टन अंकिशा चौधरी के नेतृत्व और महावीर भड़क के सहयोग से राष्ट्रीय खेल 17 वर्षीय हॉकी खेल प्रतियोगिता में झड़वासा की छात्रा खिलाड़ियों किरण गुर्जर, निशा नायक, भावना जाट, मंशा दरोगा, गुड्डी दरोगा, रिंकू गुर्जर, तान्या गुर्जर, रिया जांगिड़, कृष्णा मेघवंशी, हिना मेघवंशी, निरमा खारोल, ललिता खारोल, पूजा खारोल, सोनू गुर्जर, काली गुर्जर, सावत्री खारोल, खुशबु मेघवंशी ने जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल जीता है जिससे पुरा झड़वासा व विद्यालय स्टॉफ खुशी से झूम उठा और सरपंच भंवर सिंह की अगुवाई व प्रधानाचार्य कौशल्या यादव व भवानी सिंह गौड ने शारीरिक शिक्षिका आरती शेर को साफा पहनाकर व सभी जिला स्तर पर विजेता हॉकी खिलाड़ियों का माला, दुपट्टा व तिलक लगाकर सम्मान किया व झड़वासा में डीजे के साथ बिंदोली निकाली गई जिसमें विद्यालय स्टॉफ, ग्रामीण व विद्यालय के अन्य छात्र व छात्राओं ने झूम झूम कर डांस किया और प्रधानाचार्य कौशल्या यादव ने बताया कि उक्त खिलाड़ियों में से अंकिशा चौधरी, गुड्डी दरोगा, निरमा खारोल, किरण गुर्जर, मंशा दरोगा, भावना जाट व सावत्री खारोल का राज्य स्तर पर हॉकी प्रतियोगिता में चयन हुआ है । इस अवसर पर पूर्व सरपंच देवकरण गुर्जर, मांगीलाल जाट, शिवराज चौधरी, तेजमल जाट, भवानी सिंह गौड, राकेश पँवार व महावीर भड़क सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

महावीर स्वामी दिगंबर जैन मंदिर के वार्षिक मेले का भव्य आयोजन स्थानीय पाण्डुक शिला उद्यान में

सीकर के नवलगढ़ रोड़ स्थित आदिनाथ जैन मंदिर में भी हुए वार्षिक कलशाभिषेक

सीकर. शाबाश इंडिया

सकल दिगंबर जैन समाज द्वारा आश्विन कृष्णा 12 संवत 2081 रविवार को सालासर स्टैंड स्थित श्री महावीर स्वामी दिगम्बर जैन मन्दिर के वार्षिक मेले का भव्य आयोजन सालासर रोड़ स्थित पाण्डुक शिला उद्यान में किया गया। इस अवसर पर सालासर स्टैंड स्थित महावीर स्वामी मंदिर से पाण्डुक शिला उद्यान तक रथ यात्रा निकाली गई। पाण्डुक शिला उद्यान में पाण्डुक शिला पर श्री जी को विराजमान किया गया ।इसके पश्चात कलशाभिषेक हुए । कलशाभिषेक का सौभाग्य नारायणी देवी मातेश्वरी मनोज पाटोदी झीगर वाले परिवार को मिला । जैन वीर संगम के अध्यक्ष सुशील काला ने बताया कि रथयात्रा से पूर्व समाज की संस्था जैन वीर संगम द्वारा श्रद्धालुओं के मध्य पुरस्कार वितरित किए गए और विभिन्न धार्मिक आयोजन किए गए । पुरस्कार प्रायोजक सुनील कुमार विमल कुमार पहाड़िया परिवार थे । समाज के विवेक पाटोदी ने बताया कि समारोह स्थल पर भगवान महावीर के कलशाभिषेक व अन्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित हुए । कार्यक्रम पुण्यार्जन चंदा देवी, प्रदीप अमिता भरतिया परिवार इटानगर को प्राप्त हुआ । इस अवसर पर सीकर जैन समाज सहित विभिन्न स्थानों से जैन धर्मावलंबी सम्मिलित हुए। मंदिर प्रबंध समिति के पदम भरतिया ने बताया कि कार्यक्रम की पूर्व संध्या पर शनिवार को सांयकाल सालासर स्टैंड स्थित महावीर स्वामी मंदिर में सकल जैन समाज द्वारा णमोकार के पाठ और भजन संध्या का आयोजन किया गया। मंदिर प्रबंध समिति ने बताया कि प्रातः नवलगढ़ रोड़ स्थित श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में भी वार्षिक कलशाभिषेक का आयोजन हुआ । इस अवसर पर प्रथम अभिषेक व शांतिधारा का सौभाग्य महावीर प्रसाद नरेश कुमार महेश कुमार जयप्रकाश प्रदीप कुमार काला परिवार लालास वाला परिवार सीकर सुरत व आरती का पुण्यार्जन बाबूलाल प्रदीप कुमार मनोज कुमार अभिनव अंशुल बाकलीवाल परिवार को प्राप्त हुआ।

वॉकथॉन में रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ की भागीदारी और सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया। आज रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ द्वारा आयोजित वॉकथॉन कार्यक्रम में क्लब के सदस्यों और समाज के विभिन्न वर्गों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह आयोजन मंगलम प्लस मेडिसिटी हॉस्पिटल, मानसरोवर में सुबह 7:00 बजे से शुरू हुआ, जिसका उद्देश्य स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना और फिटनेस के प्रति जागरूकता फैलाना था। रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ के अध्यक्ष अनिल जैन और सचिव डॉ. अमित शर्मा ने कार्यक्रम का नेतृत्व किया। क्लब के अन्य सदस्यों और स्थानीय नागरिकों की बड़ी संख्या में उपस्थिति ने कार्यक्रम को अत्यधिक सफल बनाया। इस हेल्थ वॉक के दौरान सभी प्रतिभागियों को विशेष टी-शर्ट प्रदान की गईं, और वॉक के बाद स्वादिष्ट नाश्ता भी दिया गया। इसके साथ ही, वॉक से पहले एक जुम्बा सेशन आयोजित किया गया, जिसने प्रतिभागियों को उत्साह और ऊर्जा से भर दिया। कार्यक्रम के समापन पर, मंगलमप्लस मेडिसिटी हॉस्पिटल ने रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ के अध्यक्ष अनिल जैन को उनके उत्कृष्ट नेतृत्व और समाज के प्रति उनकी सेवा के लिए मोमेंटो देकर सम्मानित किया। यह सम्मान उनके सामाजिक कार्यों और क्लब की जिम्मेदारियों को कुशलता से निभाने के प्रति उनके समर्पण का प्रतीक है। रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ के इस सफल आयोजन की सभी प्रतिभागियों और स्थानीय नागरिकों ने प्रशंसा की, और इस वॉकथॉन ने स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। क्लब की इस पहल ने समाज में एक सकारात्मक संदेश पहुंचाने में अहम योगदान दिया।

डेगू की प्रिवेंटिव दवा बनाई

जयपुर. शाबाश इंडिया। अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वरिष्ठ होम्योपैथ एवं दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर के अध्यक्ष डॉ एम एल जैन ''मणि'' ने वर्तमान में फैल रहे डेंगू से निजात पाने के लिए होम्योपैथी की प्रिवेंटिव दवा बनाई है , यह दवा दो प्रकार की बनी है, प्रिवेंटिव दवा सात दिन में एक बार लेनी होगी व जिनको हो गया है उन्हें मरीज को दिखा कर दवा लेनी होगी। यह दवा हजारों मरीजों को दी जा चुकी है इससे प्लेटलेट्स भी शीघ्र बढते हैं , इसके आशातीत परिणाम मिले हैं। डॉ 'मणि' प्रतिषेधक दवाईयों का पिछले 55 वर्षों से निर्माण व निः शुल्क वितरण कर रहे हैं, ये दवा 8949032693 पर सम्पर्क कर निः शुल्क प्राप्त की जा सकती है। स्मरण रहे इन्हें हाल ही में दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन इन्दौर ने इनकी कोविड-19 के मरीजों को निःशुल्क प्रतिषेधक दवा वितरित करने एवं कोविड मरीजों का निः शुल्क आनलाइन इलाज करने के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय अवार्ड से सम्मानित किया था, इसके अलावा दिगम्बर जैन महासमिति व अन्य कई संस्थाओं ने भी इस नेक कार्य के लिए इन्हें राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया थो डेंगू की यह दवा प्रातः 11से12व सायं 5से 6 निःशुल्क प्राप्त की जा सकती हैं। इसके अतिरिक्त वाइरल फीवर की भी दवा दी जा रही है इस नेक कार्य में डा मणि के अलावा यह कार्य डां शान्ति जैन मणि व डां मनीष जैन मणि भी कर रहे हैं।

अखिल भारतीय पुलक जन चेतना मंच और राष्ट्रीय जैन महिला जागृति मंच का 27वां राष्ट्रीय महाधिवेशन संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। अखिल भारतीय पुलक जन चेतना मंच और राष्ट्रीय जैन महिला जागृति मंच का 27वा राष्ट्रीय महाधिवेशन 29सितम्बर 2024 को ऋषभदेव केशरिया जी मे सम्पन्न हुआ जिसमे राष्ट्रीय कार्यकारिणी का चयन किया गया ।इसमे राष्ट्रीय शिक्षा मन्त्री के पद पर अशोक जैन खेरली वाले मानसरोवर को सुशोभित किया गया एवम श्रीमति सरला कमलकान्त पाटनी को सर्वश्रेष्ठ अध्यक्षा के अवार्ड से नवाजा गया।

नि:शुल्क हड्डी रोग जांच शिविर में 97 लाभन्वित

कुचामन सिटी। महावीर इंटरनेशनल कुचामन सिटी के तत्वावधान में श्रीमती गुणमाला देवी कमलकुमार पाण्ड्या के सौजन्य से 23 वां निःशुल्क हड्डी, जाँच जॉइन्ट, लिगामेंट, घुटना रिप्लेसमेंट सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. जितेश जैन (राजस्थान हॉस्पिटल, जयपुर) अरिहंत हेल्थ केयर सेन्टर राजकीय चिकित्सालय के पास आयोजित किया गया।शिविर संयोजक वीर सुरेश जैन, वीर कमल गोड, वीर विजय कुमार पहाडिया, वीर सुरेन्द्रसिंह दीपुपरा ,डाक्टर जितेश जैन , दानदाता परिवार से वीर कैलाश चन्द पाडंया ने शिविर शुभारंभ किया। सचिव वीर अजीत पहाड़िया ने बताया कि शिविर सीकर मिठडी ,मुन्डवाडा मे 97 लौगौ ने प्रार्मश लिया एक्सरे व रक्त सम्बंधित जांचें निःशुल्क की गई । नरेश जैन के अनुसार शिविर में वीर रामावतार गोयल, वीर संदीप पाडंया, वीर तेज कुमार बड़जात्या वीर अशोक अजमेरा, बोदु कुमावत नितेश चौधरी सुरजीत वैष्णव ने शिविर में सराहनीय सहयोग किया। गवर्निंग काउंसिल मेम्बर वीर सुभाष पहाड़िया ने सभी सहयोगकर्ताओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। **संकलन : वीर सुभाष पहाडिया**

भगवान पार्श्वनाथ का कलशाभिषेक व शोभायात्रा महोत्सव आयोजित

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद । निकटवर्ती ग्राम मोराझड़ी में सकल दिगंबर जैन मंदिर में दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र समाज के तत्वाधान में वार्षिक कालशाभिषेक और रथ यात्रा महोत्सव श्रद्धापूर्ण मनाया गया ।महोत्सव में रविवार सुबह शांति धारा व भगवान पार्श्वनाथ के अभिषेक एवं मंडल विधान की पूजा का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में समाज के सदस्य ने भाग लिया । उसके पश्चात दोपहर में मुख्य बाजार स्थित मंदिर से विशाल शोभा यात्रा व रथ निकाली गई जो कि गांव के विभिन्न क्षेत्रों से भ्रमण कर दिगंबर जैन धर्मशाला पहुंचकर संपन्न हुई ।इस दौरान संजय जैन धर्मचंद जैन राजेश जैन प्रवीण मुकेश जितेंद्र जैन अजय ने बताया कि शोभायात्रा का जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण व दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। दीप प्रज्वलन में सुधा देवी संजय अनीता राजेश अलका वैभव रिधिका सोनी अजमेर वाले ने भाग लिया वही भजन वह मेला पुण्याअर्जन श्रीमती मोती देवी निर्मल कुमार अंकित सरयू सोनी मोराझडी वाले ने किया। कलशाभिषेक निर्मल कुमार अंकित हर्षित कुमार सोनी मोराझडी वालो के द्वारा किया गया एवं स्वागत समारोह में हीरालाल रविंद्र काला धनराज कासलीवाल राकेश पहाड़ियातरुण काला मूलचंद पाटनी महावीर कालानाड़ा आदि मौजूद थे। मेले में अजमेर नसीराबाद केकड़ी विजयनगर गुलाबपुरा किशनगढ़ भीलवाड़ा देरांठु सहित आसपास के विभिन्न स्थानों से जैन समाज के लोग पहुंचे मेले का संचालन प्रोफेसर सुशील पाटनी अजमेर ने किया।

नसीराबाद में मां भारती ग्रुप के तत्वावधान में रक्तदान शिविर आयोजित

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। मां भारती ग्रुप नसीराबाद के तत्वावधान में नसीराबाद के गांधी चौक स्थित श्री रामचन्द्र जी की धर्मशाला में एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय अजमेर के ब्लड बैंक से डा. संदीप के नेतृत्व में टीम द्वारा रक्त संग्रह किया गया। शिविर में 61 यूनिट रक्त एकत्र हुआ ।रक्तदान शिविर में माँ भारती ग्रुप नसीराबाद से विजय टांक, सुभाष सेठी, पप्पू आर टी ओ, राकेश प्रजापति, दशरथ सिंह शेखावत, संजय रेसवाल, विकास सेठी, विविध गोयल, अमन दीप श्री, शोनित टहलवानि, लक्की आसनानी , एस डी एफ सी बैंक से आलोक आदि ने कैम्प में सेवाए दी एवं रक्तदान किया।

अतिशय क्षेत्र पदमपुरा का वार्षिक मेला सम्पन्न

निकाली रथयात्रा भगवान पदमप्रभू ने किया नगर भ्रमण पूजा विधान में गूंजे पद्मप्रभ के जयकारे

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा, जयपुर के दो दिवसीय वार्षिकोत्सव 2024 के तहत रविवार को रथयात्रा निकालने सहित कई आयोजन हुए। इससे पूर्व शनिवार को सांयकाल भजन संध्या के कार्यक्रम में भजनों के साथ अति भव्य पद्मप्रभ दीप अर्चना आयोजित की गई । वही रविवार को मेले का मुख्य आयोजन हुआ। अध्यक्ष एडवोकेट सुधीर जैन एवं मानद् मंत्री एडवोकेट हेमंत सोगानी ने बताया कि मुनि महिमा सागर महाराज ससंघ एवं मुनि मार्दव नन्दी महाराज के सानिध्य में आयोजित इस दो दिवसीय वार्षिकोत्सव में रविवार 29 सितम्बर को प्रातः 7 बजे मूलनायक भगवान पदमप्रभू की प्रतिमा के सैकड़ों श्रद्धालुओं द्वारा महाभिषेक के पश्चात विश्व में सुख शांति और समृद्धि के लिए भगवान की शांतिधारा की गई। प्रातः 8.30 बजे से भगवान पदमप्रभू की विशाल खडगासन प्रतिमा के पंचामृत महामस्तकाभिषेक हुए जिसमें जल, चन्दन, दुग्ध, दही, घृत, सर्वोषधि सहित पंचामृत अभिषेक किये गये। प्रचार प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक दोपहर में 12.15 बजे से संगीतमय पद्मप्रभ पूजा विधान किया गया जिसमें अष्ट द्रव्य के अर्घ्य चढाये गये। दोपहर 2.30 बजे मंदिर जी से भव्य रथयात्रा निकाली गई जो नगर भ्रमण कर वापस मंदिर जी पहुची। मेला संयोजक राज कुमार सेठी ने बताया कि सायंकाल 4.00 बजे जयकारों के बीच श्री जी के कलशाभिषेक किये गये। इस दौरान मंदिर परिसर भगवान पदमप्रभू के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। इस मौके पर प्रबन्धकारिणी समिति के संरक्षक ज्ञान चन्द झांझरी, अध्यक्ष एडवोकेट सुधीर जैन, मानद् मंत्री एडवोकेट हेमंत सोगानी कोषाध्यक्ष राज कुमार कोठयारी, उपाध्यक्ष सुरेन्द्र पाण्डया, महावीर अजमेरा, सुरेश काला, संयुक्त मंत्री जे एम जैन, योगेश टोडरका, राजेन्द्र बिलाला एवं अन्य समिति पदाधिकारियों सहित राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा सहित बडी संख्या में गणमान्य लोग शामिल हुए। इस मौके पर जयपुर, निवाई सहित विभिन्न क्षेत्रों से कई पदयात्राऐ पदमपुरा पहुची। हजारों पदयात्रियों ने भगवान पदमप्रभू के दर्शन लाभ प्राप्त किया।

जैन मंदिर मंदिर जग्गा की बावड़ी के वार्षिक मेले में श्रीजी का अभिषेक व रथयात्रा को देख श्रद्धालु हुए भाव विभोर

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन मंदिर जग्गा की बाबड़ी की वार्षिक मेला रविवार को मुनिश्री समत्व सागर जी व मुनिश्री शील सागर जी महाराज के सानिध्य में विभिन्न धार्मिक आयोजनों के साथ सम्पन्न हुआ। इस दौरान जयकारों के बीच श्रीजीका अभिषेक व रथयात्रा जैसे अन्य आयोजन हुए,जिन्हें देखने के लिए जैन समाज के साथ अन्य समाज के लोग भी पहुंचे,इन आयोजनों को देख लोग भाव-विभोर हो उठे। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष दीप चंद चैकड़ायत व मानद मंत्री सुनील कुमार बख्शी ने बताया कि सुबह से ही कार्यक्रम स्थल भक्ति और आस्था के रंग में डूबा नजर आया। सर्वप्रथम 7 बजे श्रीजी की शांतिधारा व साजों के बीच विधान पूजा हुआ। इसके बाद जयकारों के बीच धर्मशाला प्रांगण में श्रीजी की रथयात्रा निकाली गई। इस दौरान कार्यक्रम स्थल धन्य-धन्य आज घड़ी कैसी सुखकार है...आया मंगल दिन मंगल अवसर...रोम-रोम से निकले प्रभुवर नाम तुम्हारा...जैसे भजनों की स्वर लहरियों से गुंजायमान हो उठा। इसके बाद वर्षा जल टांके का उद्घाटन डॉ.साधना,विरेन्द्र गोदिका परिवार ने किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि जयपुर नगर निगम हेरिटेज की कार्यवाहक मेयर कुसुम यादव रही। सभी अतिथियों का मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष दीप चंद चौकड़ायत व मानद मंत्री सुनील कुमार बख्शी,उपाध्यक्ष प्रदीप ठोलिया,संयुक्त मंत्री हेमंत गोदिका, कोषाध्यक्ष सुरेश कुमार बज, मंदिर चाकसू के संयोजक संदीप ठोलिया, जग्गा की वावड़ी के संयोजक पदमचंद संघी व आदि पदाधिकारियों ने तिलक,माला पहनाकर स्वागत किया। इसके बाद मुनिश्री के प्रवचन हुए,उन्होंने अपने प्रवचनों में जैन धर्म के सिद्धांतों को जीवन में आत्सात करने व मंदिरों के संरक्षण की बात कही। उन्होंने यह भी कहा कि जग्गा की बाबड़ी अपने आप में ऐतिहासिक मंदिर में जहां पर विराजमान श्रीजी के दर्षनों ने मेरा मन प्रफुल्लित हो रहा है,यहां पर जो भी कार्य हुए है,वे अपने आप में सराहनीय है। इसके बाद श्रीजी के श्रीजी के पंचामृत अभिषेक हुए। पंचामृत अभिषेक के इस दृशय.को देख लोग भाव विभोर उठे। इस मौके पर एमपी जैन,मनीष बैद, अनीता टोंग्या,जेके जैन, मनोज झांझरी, संजीव जैन, सुरेन्द्र बज व सुनील जैन रायबरेली सहित अन्य लोग मौजूद रहे।अंत में मानद मंत्री सुनील कुमार बख्शी ने सभी का आभार जताया।

आचार्य शांतिसागर सभागार में आयोजित हुआ क्षमावाणी मिलन समारोह

आगरा. शाबाश इंडिया। 29 सितंबर को आगरा के हरीपर्वत स्थित आचार्य शांतिसागर सभागार में आगरा खंडेलवाल दिगंबर जैन समिति के तत्वावधान में क्षमावाणी मिलन समारोह का आयोजन किया गयो कार्यक्रम का शुभारंभ आगरा खंडेलवाल दिगंबर जैन समिति के पदाधिकारियों ने भगवान महावीर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं जयपुर हाउस शैली की बालिकाओं के मंगलाचरण के साथ किया,तत्पश्चात कर्मयोगी शैली,नाई की मंडी शैली,मोती कटरा शैली,बेलनगंज शैली की महिला मंडलों ने बहुत सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किऐइसके बाद सभी अतिथियों का सम्मान किया साथ ही दाम्पत्य जीवन के 50 वर्ष पूर्ण करने वाले युवाओं एव प्रतिभाशाली छात्र-छात्रों वरिष्ठजन, त्यागी वृत्तियों का प्रतीक चिन्ह देकर एवं माला पहनाकर स्वागत अभिनंदन किया।

बॉब रिटायर्ड जैन मैत्री संघ का पचपन सदस्यीय दल तीर्थ यात्रा पर रवाना

जयपुर. शाबाश इंडिया

बॉब रिटायर्ड जैन मैत्री संघ का पचपन सदस्यीय दल 29 सितम्बर को तीर्थंकरो की जन्मस्थलियो के दर्शनार्थ वाराणसी रवाना हुआ। यह दल वाराणसी के आस पास जन्मस्थलियो के दर्शन करके, काशी विश्वनाथ मंदिर तथा विभिन्न घाटों को देख कर गंगा आरती में का भी आनंद पूर्वक दृश्य देखेगा। इसके पश्चात यह दल अयोध्या में व आसपास की जन्मस्थलियो के दर्शन के साथ साथ नए बने राम मंदिर,सीता रसोई, हनुमान गढ़ी को भी देखेगा। फिर इलाहाबाद,प्रयागराज व आस पास के तीर्थ स्थानों के दर्शन कर चार अक्टूबर को वापस जयपुर लौटेगा। बॉब रिटायर्ड जैन मैत्री संघ के संस्थापक अध्यक्ष पी सी जैन, अध्यक्ष आर के जैन व सचिव अभिनन्दन जैन, आर के सालेचा,महावीर जैन, मंन्जु जैन सेवावाले,अनिल जैन (रिटायर्ड आई पी एस) शशि जैन, अनिल - रेनू जैन महेंद्र- विमला जैन सहित 55 सदस्य इस यात्रा में भाग ले रहे है। संघपति आर के जैन के साथ अभिनन्दन जैन, महावीर जैन, महेंद्र जैन,नेमि चन्द जैन,प्रकाश बागरुवाला,अनिल जैन, अजित जैन यात्रा का सुचारू रूप से संचालन हो, इसकी पूरी व्यवस्था का ध्यान रख कर सहयोग करेंगे। मैत्री संघ के सभी तीर्थ यात्रियों का मुनेंद्र गंगवाल,नीरज-अंजू। सेठी, वीं के जैन,आदेश जैन, एस के सुमन जैन ने तिलक लगाकर,माला पहनाकर स्टेशन से उल्लास पुर्वक विदा किया।

मुनि नारद ने दिया भगवान विष्णु को पत्नी वियोग का श्राप

विराटनगर. शाबाश इंडिया। कस्बे की रामलीला मैदान में श्री अवधेश कला केंद्र रामलीला मंडल के तत्वधान में आयोजित 17 दिवसीय रामलीला मंचन के दौरान शनिवार को नारद मोह की लीला दिखाई गई। लीला प्रसंग के अनुसार हिमालय की कन्दराओं में बैठकर मुनि नारद द्वारा घोर तपस्या करने से भयभीत होकर देवराज इन्द्र ने अपने मित्र कामदेव को अप्सराओं की सहायता से नारद की तपस्या भंग करने को भेजा, परंतु कामदेव मुनि नारद की तपस्या भंग करने में असफल रहा, और उसने क्षमा याचना की। जिस पर मुनि नारद को अपनी तपस्या पर अभिमान हुआ , सोचा कि उसने कामदेव को जीत लिया है इस खुशी की सूचना अपने पिता ब्रह्मा तथा भगवान शंकर को जाकर दी। जिस पर दोनों ने मुनि नारद को समझाया कि यह सूचना भगवान विष्णु को मत बताना, परंतु मुनि नारद ने यह सूचना भगवान विष्णु को देने में अपना हित समझा। जब नारद ने भगवान विष्णु को यह सारा वृत्तांत सुनाया। विष्णु ने सोचा कि नारद को अपनी तपस्या पर अभिमान हुआ है, क्यों नहीं नारद का अभिमान दूर किया जाए क्योंकि भक्त का हित ही उनका धर्म है। यह सोचकर भगवान विष्णु ने अपनी माया रची, जिसके अनुसार एक सुंदर नगर बसाया जाए जिसका नाम श्री निवासपुर हो, और उसे नगर में सुंदर-सुंदर लोग बसे, जिसकी राजा का नाम शीलनिधि हो, जिसके एक कन्या हो और उसका नाम विश्व मोहिनी हो, जिसकी हस्त रेखा अत्यंत ही प्रबल हो जो विवाह योग्य हो। और जिसका स्वयंवर रचा हुआ हो।

अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

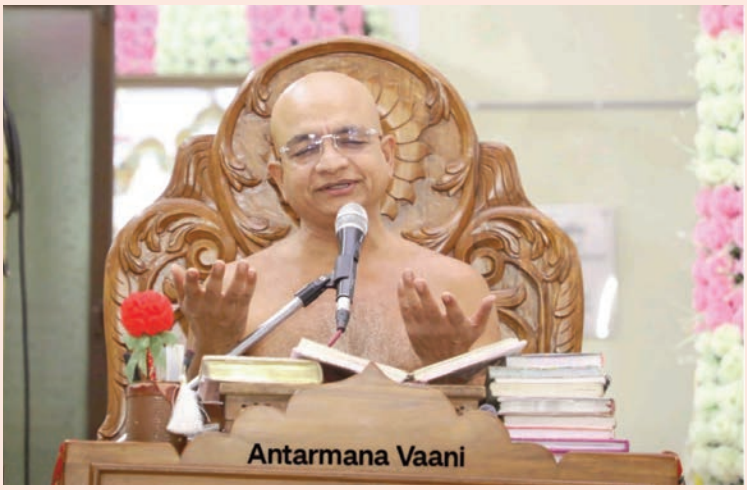

कुलचाराम, हैदराबाद. शाबाश इंडिया

सब कहते हैं, खुश रहा करो.. लेकिन
मजाल है कि वो हमे खुश रहने दे..!

सुख, शान्ति और प्रसन्नता, ना कोई दे सकता है और ना बाजार से खरीद सकते हैं। अगर पैसे से सुख, शान्ति और प्रसन्नता मिलती, तो दुनिया के सारे अमीर, धनपति लोग खरीद लेते। सुख, शान्ति और प्रसन्नता भले ही ये खूबसूरत ना हो, लेकिन जीने के तौर तरीके एवं जीने का अन्दाज खूबसूरत होना चाहिए। ध्यान रहे ! संसार जुड़ता है त्याग से, बिखरता है स्वार्थ से। त्याग के मार्ग पर चलोगे तो अनुराग ही मिलेगा। इसलिए हँसी आये तो हँस लो, आतें खुल जायेगी। और रोना आये तो रो लो, आँख धूल जायेगी। तनाव और टेन्शन से मुक्ति के लिये दो ही उपाय है - ? एक हँसना और दूसरा रोना। हँसने और रोने से दिल हल्का हो जाता है...। नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ का डांडिया कार्यक्रम 13 अक्टूबर को

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ द्वारा आगामी 13 अक्टूबर को आयोजित होने वाले डांडिया कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक आज महावीर स्कूल ग्राउंड में सम्पन्न हुई। इस बैठक में क्लब के सभी पदाधिकारी, बोर्ड मेंबर्स और अन्य महत्वपूर्ण सदस्यों ने भाग लिया। बैठक के दौरान कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया गया और सभी व्यवस्थाओं पर गहन चर्चा की गई, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कार्यक्रम सुचारू और व्यवस्थित तरीके से आयोजित हो।

फैशन शो की विशेष तैयारी

बैठक में फैशन शो के आयोजन पर भी विशेष चर्चा हुई। यह फैशन शो फ्यूजन ग्रुप के योगेश मिश्रा और निमिषा मिश्रा द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने फैशन शो को और अधिक आकर्षक और विशेष बनाने के सुझाव साझा किए। यह शो डांडिया कार्यक्रम का अहम हिस्सा होगा और सभी उपस्थित दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा।

रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया

रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ के प्रेसिडेंट अनिल जैन ने जानकारी दी कि फैशन शो में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागियों के लिए रजिस्ट्रेशन गूगल फॉर्म के माध्यम से किया जाएगा। यह फॉर्म क्लब के सदस्यों के बीच साझा किया जाएगा, ताकि सभी प्रतिभागी आसानी से अपना नाम दर्ज कर सकें। रजिस्ट्रेशन

प्रक्रिया खुली है और किसी भी इच्छुक व्यक्ति को इसमें भाग लेने का अवसर मिलेगा।

स्पॉन्सरशिप अवसर

इसके साथ ही, जो स्पॉन्सर्स इस भव्य कार्यक्रम का हिस्सा बनना चाहते हैं, वे 31 तारीख तक अपना आवेदन जमा कर सकते हैं। स्पॉन्सरशिप के विभिन्न स्तरों पर चर्चा की गई और इसे लेकर भी अंतिम रूप से योजना बनाई जा रही है।

विशेष आमंत्रण

इस कार्यक्रम में रोटरी क्लब की विभिन्न शाखाओं और अन्य संस्थाओं को भी आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा, कई जानी-मानी हस्तियां भी इस कार्यक्रम में शामिल होने वाली हैं, जिससे यह कार्यक्रम और भी भव्य एवं आकर्षक बनेगा।

कार्यक्रम की योजना

बैठक के दौरान यह तय किया गया कि डांडिया कार्यक्रम की सभी व्यवस्थाएं जल्द से जल्द अंतिम रूप से तैयार की जाएंगी। सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को समय रहते पूरा करने पर जोर दिया गया है, ताकि कार्यक्रम के दिन किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ का यह डांडिया कार्यक्रम एक सामाजिक, सांस्कृतिक और मनोरंजक अवसर होगा, जो समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर लाने का उद्देश्य रखता है।

दिगम्बर जैन संत अपने परिणामों में कभी भी मल्लिनता नहीं लातेः मुनि प्रणम्य सागर महाराज

मुनि संघ की आहारचर्या के पडगाहन के लिए उमड़े सैकड़ों श्रद्धालु

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मुखारबिन्द से रविवार को मालवीय नगर के सैक्टर 3 स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में कवि भूधरदास द्वारा विरचित पार्श्वनाथ पुराण का वाचन किया गया जिसमें मुनि श्री ने 22 परिषह के अन्तर्गत मल परिषह के बारे में बताया। मुनि श्री ने कहा कि मुनिराज अस्नान के व्रती होते हैं। वह नहाते नहीं है। इस कारण उनके मेल इत्यादि शरीर पर चढ जाता है। उस पर खुजली इत्यादि को समता से सहन करते हैं। वह अपने परिणामों में मल्लिनता नहीं लाते हैं। वह इस शरीर पर जो कि खुद मलीन है, पर ध्यान न देकर चेतना पर ध्यान देते हैं। मुनिवर कहते हैं कि आप पाद पक्षालन करते हो पर उसकी पवित्रता एवं उर्जा को नहीं समझते हो तो सिर्फ यह एक क्रिया है। यदि आप इसे श्रद्धा के साथ करते हो और इसकी पवित्रता एवं उर्जा को समझते हो तो यह बहुत बडा पुण्यार्जन है। इसको श्रद्धा के साथ उत्तमांग पर लगाना चाहिए। इससे पूर्व आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की संगीतमय पूजा की गई। आचार्य समय सागर महाराज एवं मुनि प्रणम्य सागर महाराज का अर्घ्य चढाया गया। संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज एवं आचार्य समय सागर महाराज के चित्र का जयकारों के बीच अनावरण किया गया। भगवान शांतिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया एवं मुनि प्रणम्य सागर

महाराज के पाद पक्षालन एवं शास्त्र भेट करने का सौभाग्य समाजश्रेष्ठी अजय - निधि बडजात्या, श्रेय, क्षितिज बडजात्या ने प्राप्त किया। इस मौके पर मुनि संघ को पडगाहन के लिए सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उमड पडे। उल्लेखनीय है कि दिगम्बर जैन संत चौबीस घंटे में केवल एक बार ही अन्न जल ग्रहण करते हैं। दोपहर में श्री शांतिनाथ पूजा विधान का संगीतमय आयोजन किया गया। मंच संचालन सी एल जैन एवं सीए मनोज जैन ने किया। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन समिति मीरा मार्ग के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ का मालवीय नगर से प्रातः 6.00 बजे जवाहर नगर के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के लिए मंगल विहार होगा। मुनि श्री ससंघ के सानिध्य में जवाहर नगर के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में सोमवार , 30 सितम्बर को प्रातः 8.15 बजे श्री पार्श्वनाथ कथा का संगीतमय आयोजन किया जाएगा इस मौके पर आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की पूजा एवं मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें। मुनि श्री की आहारचर्या प्रातः 9:40 बजे होगी। आयोजन के प्रचार संयोजक विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ का मंगलवार 01 अक्टूबर को जवाहर

नगर से नारायण सिंह सर्किल स्थित भट्टारक जी की नसियां के लिए मंगल विहार होगा। बुधवार 02 अक्टूबर को मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में सवाई मानसिंह स्टेडियम में प्रातः 5.00 बजे से 7.30 बजे तक अर्हं ध्यान योग कार्यशाला का विशाल आयोजन होगा।

पारस प्यारा लागो जिनेश्वर प्यारा लागो...

दौसा के आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में गूंजे जयकारे

जयपुर से श्री महावीर जी की पदयात्रा आज़(सोमवार को) पहुचेगी सिकन्दरा

जयपुर /दौसा. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन पदयात्रा संघ जयपुर के तत्वावधान में शुक्रवार 27 सितम्बर को संघ के संरक्षक सुभाष चन्द जैन एवं संयोजक भाग चन्द गोधा के नेतृत्व में संघीजी की नसिया खानिया से रवाना हुई जयपुर से श्री महावीर जी की 38 वीं पदयात्रा के रविवार,29 सितम्बर को दौसा के श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर पहुची।इस मौके पर दौसा जैन समाज की ओर से भावभीना स्वागत-सत्कार किया गया। पदयात्रा के सह संयोजक सुशील जैन ,सोभाग मल जैन, दिनेश पाटनी ने बताया कि पदयात्रियों ने स्नानादि के बाद मंदिर जी में संगीतमय सामूहिक पूजन की जिसमें पारस प्यारा लागो जिनेश्वर प्यारा लागो.... सहित भक्ति संगीत व नृत्य प्रस्तुति दी गई। संघ की ओर से ज्ञान वर्धक जैन धार्मिक हाऊजी का आयोजन हुआ। अतिथि महेश जैन, सुकुमार जैन, भंवर लाल नीलम सेठी थे।संचालन सूर्य प्रकाश छाबड़ा एवं सलिल जैन ने किया । प्रथम मोक्ष श्वेता छाबड़ा को मिला।विजेताओं को संघ की ओर से पुरस्कृत किया गया । अन्त

में जयकारों के बीच श्री जी के कलशाभिषेक किये गये। माल का पुण्यार्जन समाजश्रेष्ठी राजेन्द्र जैन, प्रतीक जैन ने किया।इस मौके पर संरक्षक सुभाष चन्द जैन, संयोजक भाग चन्द गोधा , पूर्व संयोजक कुन्थी लाल रावकां, सुरेश ठोलिया, सूर्य प्रकाश छाबड़ा, सलिल जैन, अमर चन्द दीवान,मैना बाकलीवाल, महेन्द्र गिरधरवाल, राजेन्द्र जैन मोजमाबाद, राज कुमार बड़जात्या, जिनेन्द्र जैन, देवेन्द्र गिरधरवाल, पवन जैन, सुशील जैन क्षेत्रीय सह संयोजक जितेन्द्र गंगवाल, मुकेश पाटनी, अंकित जैन, नितेश जैन, विक्रम जैन खोराबीसल, शैफाली काला, विमल जैन, सतीश जैन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण शामिल हुए। पदयात्री प्रातःकालीन भोजन के बाद दौसा से सिकन्दरा के लिए रवाना हुए। रात्रि विश्राम कालाखोह स्कूल में किया। सह संयोजक कुसुम सेठी एवं मोना जैन ने बताया कि पदयात्रा सोमवार 30 सितम्बर को प्रातः सिकन्दरा के दिगम्बर जैन मंदिर पहुचेगी जहा पर सिकन्दरा जैन समाज द्वारा पदयात्रियों का भावभीना स्वागत-सत्कार किया जाएगा। मंदिर में पूजा, भक्ति संगीत, कलशाभिषेक आदि के आयोजन होगें। गीजगढ में सायकांलीन भोजन के बाद भगवान महावीर की आरती की जावेगी ।रात्रि विश्राम तालचिडा स्कूल में होगा।